**NEET Bulletin Helpline No.**
**8800265682**
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
# विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
लखनऊ से प्रकाशित
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 14 अंक: 51 लखनऊ, मंगलवार 01 अक्टूबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

# रोम की संस्कृति मानने वाले राम की संस्कृति का कर रहे अपमान: सीएम योगी

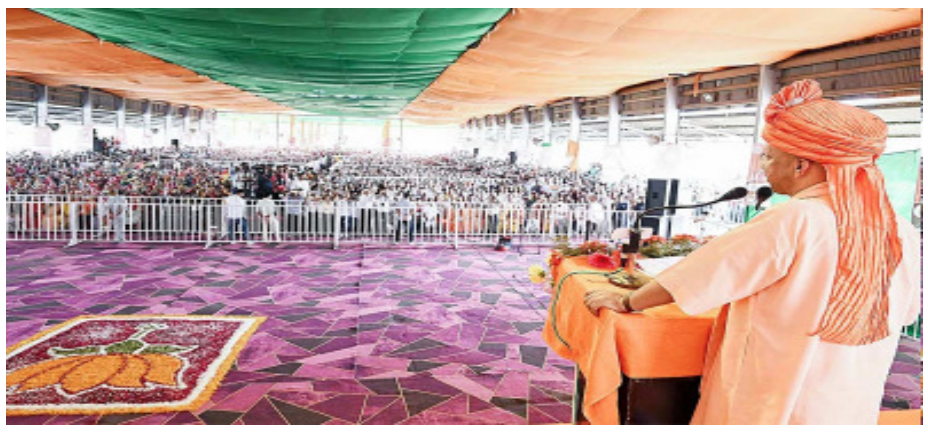

भिवानी हिसारनारनौंद पंचकुला। सीएम योगी ने कहा कि मोदी जी देश को बना रहे हैं तो दूसरी तरफ 60–65 वर्ष तक शासन करने वाली कांग्रेस को जब भी अवसर मिला तो उन्होंने देश को लूटकर पैसे को कभी स्विस बैंक पहुंचा दिया तो कभी दुनिया में कहीं और पहुंचा दिया।भिवानी हिसारनारनौंद पंचकुला। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कांग्रेस को खूब लताड़ा। बोले कि 500 वर्ष का इंतजार समाप्त हुआ और 22 जनवरी 2024 को पीएम मोदी के करकमलों से भगवान श्रीरामलला अयोध्या धाम में विराजमान हो गए। देश व दुनिया आनंदित है, लेकिन घड़ियालू आंसू बहा रही बदनसीब कांग्रेस को इससे भी नफरत है। यही अंतर राम की संस्कृति व रोम की संस्कृति में है। राम की संस्कृति में पला–बढ़ा व्यक्ति प्रभु श्रीराम की मर्यादा का पालन करते हुए 500 वर्ष तक निरंतर लड़ता रहा। प्रभु राम अयोध्या ध ाम में विराजमान हो गए, लेकिन रोम की संस्कृति में पले–बढ़े बदनसीब श्एक्सीडेंटल हिंदुश इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। एक्सीडेंटल हिंदु देश और जनता के प्रति कभी ईमानदार नहीं हो सकते। राम भारत के प्रतीक हैं। जो राम का नहीं, वो हमारे किसी काम का नहीं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को हरियाणा में चार जनसभा की। उन्होंने बवानी खेड़ा से कपूर वाल्मीकि, हांसी से विनोद भयाना, नारनौंद से कैप्टन अभिमन्यु, सफीदों से रामकुमार गौतम व पंचकुला से ज्ञानचंद गुप्ता, कालका से शक्तिरानी शर्मा को जिताने की अपील की। राहुल गांधी के बयान पर बिफरे सीएम योगी ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन पर नाच गाना चल रहा था, दरअसल उनका खानदान ही जिंदगी भर नाचगाना करता रहा। हिंदुओं का अपमान, सनातन संस्कृति को कोसना और भारत के बाहर संवैधानिक संस्थाओं को खड़ा करके कांग्रेसी अपनी योग्यता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। 1526 में राम मंदिर तोड़कर गुलामी का ढांचा खड़ा कर दिया गया था। मुगल–अंग्रेज नहीं चाहते थे कि हिंदु धर्म–संस्कृ ति का नामोनिशान रहे, लेकिन आजाद भारत की पहली सरकार जिन बदनसीबों के हाथ लगी, उन्होंने भी भारत को गौरव के साथ खड़ा नहीं होने दिया। 2014 में नरेंद्र मोदी पीएम बने। 2017 में यूपी में भाजपा सरकार बनी। डबल इंजन सरकार जब डबल स्पीड से चलने लगी तो महज दो वर्ष के अंदर पांच सौ वर्ष की समस्या का समाधान हो गया। 140 करोड़ भारतवासी प्रसन्न हैं, लेकिन कांग्रेस को इससे पीड़ा है। सीएम ने बवानी खेड़ा विध ानसभा के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि यहां के लोग जानते हैं कि कांग्रेस वाले आएंगे तो देश के साथ गद्दारी करेंगे। विकास के नाम पर केवल अपने घर को भरते रहे। कांग्रेसियों ने गरीब कल्याण का भी कोई कार्य नहीं किया, जबकि हरियाणा में डबल इंजन सरकार के कार्यकाल में खूब विकास हुआ। कांग्रेसी कहते थे कि देश के संसाधन पर पहला अधिकार मुसलमान का है, जबकि मोदी जी कहते हैं कि देश के संसाध ान पर पहला हक गरीब, कमजोर–वंचित, दलितों, पिछड़ों का है। मोदी जी के नेतृत्व में भारत दुनिया की बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है। एक तरफ भारत में कोरोना से अब तक 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन दिया जा रहा है तो दूसरी तरफ पाकिस्तान कटोरा लेकर दुनिया में भीख मांग रहा है। सीएम योगी ने कहा कि मोदी जी देश को बना रहे हैं तो दूसरी तरफ 60–65 वर्ष तक शासन करने वाली कांग्रेस को जब भी अवसर मिला तो उन्होंने देश को लूटकर पैसे को कभी स्विस बैंक पहुंचा दिया तो कभी दुनिया में कहीं और पहुंचा दिया। कोरोना में भाजपा का कार्यकर्ता पीएम मोदी व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आह्वान पर श्सेवा ही संगठनश मंत्र के साथ कार्य कर रहा था, लेकिन उस वक्त राहुल गांधी कहां थे। संकट के समय उन्हें भारत नहीं, इटली में नानी याद आती हैं। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में मंदिर का निर्माण कराया तो धारा–370 को दफन भी कर दिया। बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर के विरोध के बावजूद कांग्रेस ने रिश्तेदारी निभाने के लिए धारा–370 संविध ान में जोड़कर कश्मीर को अलग स्टेटस दिया, जिससे देश आतंकवाद की चपेट में आ गया। कांग्रेस ने हिंदुओं के सामने ऐसी स्थिति कर दी कि वे आपस में ही लड़ें। सीएम योगी ने कहा कि बदनसीबों के कारण यूपी में हर तीसरे दिन दंगा होता था, लेकिन साढ़े सात साल से दंगाई जेल में हैं या जहन्नुम चले गए। यूपी में अब नो कर्फ्यू, नो दंगा है, क्योंकि वहां सब चंगा है। कांग्रेस ने यूपी के दुर्दांत माफिया को शरण दिया था।

## हिंसा के बीच मणिपुर में छह महीने के लिए बढ़ाई गयी AFSPA, 1 अक्टूबर से होगा लागू

मणिपुर अधिसूचना के मुताबिक राज्य में मौजूदा कानून–व्यवस्था की स्थिति का विश्लेषण करने के बाद राज्य सरकार की राय है कि जमीनी स्तर पर विस्तृत मूल्यांकन करना समीचीन नहीं है क्योंकि सुरक्षा एजेंसियां घ्कानून–व्यवस्था बनाए रखने में व्यस्त हैं।मणिपुर सरकार ने सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (एएफएसपीए) को छह महीने के लिए और बढ़ा दिया है। राज्य सरकार के गृह विभाग की अधिसूचना के अनुसार, विस्तार 1 अक्टूबर से लागू होगा। यह कदम पूर्वोत्तर राज्य में जारी जातीय हिंसा के बीच उठाया गया है। यह निर्णय इंफाल घाटी के अंतर्गत आने वाले 19 पुलिस थाना क्षेत्रों और असम के साथ अपनी सीमा

साझा करने वाले क्षेत्र को छोड़कर, राज्य के अधिकांश हिस्सों पर लागू होता है। अधिसूचना के मुताबिक राज्य में मौजूदा कानून–व्यवस्था की स्थिति का विश्लेषण करने के बाद राज्य सरकार की राय है कि जमीनी स्तर पर विस्तृत मूल्यांकन करना समीचीन नहीं है क्योंकि सुरक्षा एजेंसियां घ्कानून–व्यवस्था बनाए रखने में व्यस्त हैं। इसमें कहा गया है कि अशांत क्षेत्र की स्थिति की घोषणा का मुद्दा बहुत संवेदनशील है और अगर उचित देखभाल नहीं की गई तो सार्वजनिक आलोचना और प्रतिरोध हो सकता है। आयुक्त (गृह) एन अशोक कुमार द्वारा हस्ताक्षरित अधिसूचना में कहा गया है कि मणिपुर के राज्यपाल इसके द्वारा 1 अक्टूबर से छह महीने की अवधि के लिए 19 पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों को छोड़कर पूरे मणिपुर राज्य को अशांत क्षेत्र घोषित करने की मंजूरी देते हैं। जिन थाना क्षेत्रों में अफस्पा नहीं लगाया गया है, उनमें इंफाल, लाम्फेल, सिटी, सिंगजामेई, सेकमाई, लामसांग, पटसोई, वांगोई, पोरोमपत, हेइंगंग, लामलाई, इरिबंग, लीमाखोंग, थौबल, बिष्णुपुर, नाम्बोल, मोइरंग, काकचिंग और जिरीबाम शामिल हैं। जिन क्षेत्रों को अफस्पा के दायरे से बाहर रखा गया है, वे बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के हैं। अशांत क्षेत्र का दर्जा सबसे पहले 2004 में इंफाल नगर पालिका क्षेत्र और अप्रैल 2022 में छह जिलों के 15 थानों से हटा दिया गया था। अफस्पा कानून, अशांत क्षेत्रों में कार्यरत सशस्त्र बलों को जरूरी लगने पर तलाशी लेने, गिरफ्तारी करने तथा गोली चलाने का अधिकार देता है।

## इलेक्टोरल बश्वन्ड वसूली मामले में निर्मला सीतारामन को राहत, हाई कोर्ट ने जांच पर लगाई रोक

एजेंसी।

कर्नाटक एक विशेष अदालत के आदेश के आधार पर केंद्रीय मंत्री सीतारमण, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के पदाधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 384 (जबरन वसूली के लिए सजा), 120 बी (आपराधि ाक साजिश) और 34 (साझा मंशा से कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कृत्य) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने चुनावी बांड योजना मामले में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

को बड़ी राहत दी है। पहले उनके खिलाफ चुनावी बांड वसूली मामले में एक एफआईआर दर्ज की गई थी, अब हाई कोर्ट ने मामले पर 22 अक्टूबर तक रोक लगा दी है। कर्नाटक बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष नलिन कुमार कतील ने निचली अदालत के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए, कर्नाटक हाई कोर्ट ने कर्नाटक के पूर्व राज्य भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील के खिलाफ दर्ज एफआईआर में 22 अक्टूबर तक आगे की जांच पर रोक लगा दी, जो उस मामले में सह–अभियुक्त हैं, जिसमें केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण को बनाया गया है। उन पर चुनावी बांड की आड़ में कुछ कंपनियों से पैसे वसूलने का आरोप है।

# जम्मू कश्मीर तीसरे और अंतिम फेज के लिए वोटिंग कल, 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे नतीजे

एजेंसी।

जम्मू कश्मीर सीईओ ने बताया कि कुल 39,18,220 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं, जिनमें 20,09,033 पुरुष मतदाता, 19,09,130 घ्महिला मतदाता और 57 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण के लिए मंगलवार, 1 अक्टूबर को मतदान होने के लिए पूरी तरह तैयार है। कल जिन 40 सीटों पर मतदान होना है, उनमें राजनीतिक दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों के अलावा 415 उम्मीदवार मैदान में हैं। तीसरे चरण के मतदान में लगभग 39.18 लाख मतदाता मतदान करने के पात्र हैं। जम्मू–कश्मीर के सात जिलों के 5,060 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे मतदान शुरू होने वाला है। मंगलवार को जिन 40 सीटों पर मतदान हो रहा है, उनमें से 16 कश्मीर क्षेत्र में हैं जबकि 24 जम्मू प्रांत में हैं।मंगलवार को जिन 16 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होना है उनमें करनाह, त्रेहगाम, कुपवाड़ा, लोलाब, हंदवाड़ा, लंगेट, सोपोर, रफियाबाद, उरी, बारामूला, गुलमर्ग, वागूरा–क्रीरी, पट्टन, सोनावारी, बांदीपोरा और

गुरेज (एसटी) शामिल हैं। तीसरे और अंतिम चरण की पूर्व संध्या पर सोमवार को सात जिलों में 20,000 से अधिक मतदान कर्मियों को तैनात किया गया है। इस चरण में 40 विधानसभा क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे जो जम्मू क्षेत्र के जम्मू, उधमपुर, सांबा और कठुआ तथा उत्तरी कश्मीर के बारामूला, बांदीपोरा और कुपवाड़ा जिलों में हैं। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हजारों चुनाव कर्मचारी चुनाव सामग्री के साथ आज सुबह अपने–अपने जिला मुख्यालयों से रवाना हो गए, ताकि शाम तक वे अपने निर्धारित मतदान केन्द्रों पर अपना पहुंच सकें। पहले चरण में मतदान प्रतिशत काफी अच्छा रहा था, 18 सितंबर को पहले चरण में 61.38 फीसदी तथा 26 सितंबर को दूसरे चरण में 57. 31 प्रतिशत मतदान हुआ था। अगस्त 2019 में संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद से जम्मू –कश्मीर में यह पहला विधानसभा चुनाव है, जिसके नतीजे आठ अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

सीईओ ने बताया कि कुल 39,18,220 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं, जिनमें 20,09,033 पुरुष मतदाता, 19,09,130 घ्महिला मतदाता और 57 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। उनके मुताबिक, इस चरण में 18 से 19 वर्ष की आयु के 1.94 लाख युवा, 35,860 दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक आयु के 32,953 बुजुर्ग मतदाता भी अपने मताधि ाकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। उन्होंने बताया कि मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक होगा। इसके अलावा,अगर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए मतदान केंद्र परिसर में कतार में खड़े हैं तो शाम छह बजे के बाद भी मतदान जारी रहेगा। इस चरण में पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री सज्जाद लोन और नेशनल पैंथर्स पार्टी इंडिया के अध्यक्ष देव सिंह जैसे प्रमुख नेताओं की किस्मत दांव पर है। लोन कुपवाड़ा की दो सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि सिंह उध ामपुर की चेनानी सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व मंत्री रमन भल्ला (आरएस पुरा), उस्मान माजिद (बांदीपुरा), नजीर अहमद खान (गुरेज), ताज मोहिउद्दीन (उरी), बशारत बुखारी (वागूरा–क्रीरी), इमरान अंसारी (पट्टन), गुलाम हसन मीर (गुलमर्ग), चौधरी लाल सिंह (बसोहली), राजीव जसरोटिया (जसरोटा), मनोहर लाल शर्मा (बिलावर), शाम लाल शर्मा और अजय कुमार सधोत्रा घ्(जम्मू उत्तर), मूला राम (मढ़), चंद्र प्रकाश गंगा और मंजीत सिंह (विजापुर) समेत अन्य उम्मीदवार मैदान में हैं।

## आतंक का अड्डा बन गया था जम्मू और कश्मीर, पीएम मोदी ने इसे पर्यटन ह्ब बना दिया-योगी

संवाददाता।

लखनऊ विधानसभा चुनाव को लेकर जम्मू–कश्मीर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उन पर जमकर हमला बोला। अपने भाषण के दौरान राम मंदिर का मुद्दा जोर–शोर से उठाते हुए योगी ने कांग्रेस पर जमकर बोला। जम्मू कश्मीर में चल रहे विधानसभा चुनाव को लेकर जम्मू–कश्मीर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उन पर जमकर हमला बोला। सीएम योगी ने अपने भाषण के दौरान कहा कि कांग्रेस और एनसीपी की सरकार ने संविधान निर्माण के समय बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की चिंताओं को दरकिनार करते हुए कश्मीर में धारा 370 लागू करके एक बड़ा पाप किया था। जिसकी सजा अब तक कठुआ समेत पूरे जम्मू–कश्मीर के लोग भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के दौरान ही बीजेपी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्लोगन श्एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशानश नहीं चलने को साकार किया है, और अब राज्य की जनता को अपने वोट के माध्यम से ही इस चुनाव में अपने भाग्य का फैसला करना है। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि जम्मू कश्मीर में भी तेज गति से विकास करने के लिए देश के कई प्रदेशों की तरह यहां भी डबल इंजन की सरकार की आवश्यकता महसूस की जा रही है। अपने भाषण के दौरान राम मंदिर का मुद्दा जोर–शोर से उठाते हुए योगी ने कांग्रेस पर जमकर बोला और आरोप लगाया कि कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण ही राम मंदिर बनने में इतना लंबा समय लगा है। उनके मुताबिक, जिस समस्या को कांग्रेस आजादी के बाद से लेकर अब तक नहीं सुलझा सकी थी, उसको भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सिर्फ 5 साल के दौरान ही सुलझा लिया है क्योंकि श्कांग्रेस समस्या का नाम है और भाजपा समाधान का।श अपनी सरकार की तारीफ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस द्वारा फैलाई गई कई अफवाहों के बाद भी मंदिर निर्माण के समय राज्य में कानून का राज व्याप्त रहा। उन्होंने बताया कि आर्टिकल 370 हटाने के समय भी कांग्रेस समेत नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी भी राज्य में खून की नदियां बहाने की धमकी देती थीं, लेकिन भाजपा शासन के दौरान राज्य में कानून व्यवस्था में कोई रुकावट नहीं आई और पिछले 10 साल से जम्मू कश्मीर निरंतर विकास के पद पर आगे बढ़ रहा है। पूर्ववर्ती सरकारों पर योगी ने आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य में जमकर भ्रष्टाचार, अराजकता, गुंडागर्दी, पलायन और हिंदुओं का कत्लेआम करने का काम किया था। उन्होंने कहा कि सभी सरकारों ने जम्मू–कश्मीर की जनता को पूरी तरह से आतंकवाद की भट्टी में झोंक दिया था, लेकिन पिछले 10 साल में भाजपा की सरकार ने लोगों को इन सभी समस्याओं से बाहर निकाला है। जिसकी बदौलत अब जम्मू कश्मीर श्टेररिस्ट स्टेटश नहीं बल्कि श्टूरिज्म हबश बनकर देश में उभर रहा है। लोग अपनी सुरक्षा को लेकर भी बिल्कुल आशंकित नहीं है। जिससे वे बड़ी संख्या में अपने घरों से निकलकर मतदान स्थलों तक पहुंच रहे हैं। राज्य में हुए विकास कार्यों की ओर संकेत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि इस सरकार में जम्मू–कश्मीर के लोगों की दिल्ली समेत सभी प्रदेशों से कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। उन्हें वंदे भारत जैसी सुपरफास्ट ट्रेन भी बीजेपी की सरकार ने दी। राज्य में इस समय दुनिया का सबसे ऊंचा ब्रिज बनकर तैयार हो चुका है और कनेक्टिविटी को और भी अधि ाक बेहतर करने के लिए दुनिया की सबसे लंबी टनल का निर्माण कर भी लगातार जारी है। योगी के अनुसार, इस सरकार के द्वारा कश्मीर में एम्स, आईआईटी, आईआईएम और बड़ी संख्या में मेडिकल कॉलेज का निर्माण भी हो रहा है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों में जनता के पैसों पर कांग्रेस एनसी और पीडीपी के लोग मौज करने निकल जाते थे। चुनाव जीतने के बाद वे जम्मू कश्मीर में कम और यूरोप में ज्यादा नजर आते थे। उनकी नाकामियों के कारण राज्य लगातार पिछड़ता चला गया। इससे जम्मू–कश्मीर के युवा, किसान समेत सभी वर्ग परेशान थे लेकिन उन्हें भरोसा है कि इस बार राज्य के लोग डबल इंजन की सरकार बनाकर जम्मू कश्मीर को विकास के पथ पर अग्रसर करेंगे।

# हरियाणां में राहुल ने थामा हुड्डा–शैलजा का हाथ, कांग्रेस में दिया एकजुटता का संदेश, देखते ही रह गए दोनों नेता

एजेंसी।

राहुल अंबाला जिले के नारायणगढ़ से हरियाणा विजय संकल्प यात्रा की शुरूआत करने पहुंचे थे। नारायणगढ़ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का मूल स्थान भी है, जो पड़ोसी जिला कुरुक्षेत्र के लाडवा से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राज्य में पार्टी के भीतर उठापटक की स्थिति को कम करते हुए एकजुटता का संदेश दिया है। दरअसल, हरियाणा कांग्रेस में लगातार गुटबाजी की खबर आ रही थी। दावा किया जा रहा था कि भूपिंदर सिंह हुड्डा और सिरसा सांसद कुमारी शैलजा के बीच मनमुटाव है। इसी को देखते हुए राहुल ने दोनों को हाथ एक–दूसरे से मिलाते हुए लोगों का अभिवादन करवाया है। इस दौरान उनकी बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी मौजूद रही। राहुल अंबाला जिले के नारायणगढ़ से हरियाणा विजय संकल्प यात्रा की शुरूआत करने पहुंचे थे। नारायणगढ़ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का मूल स्थान भी है, जो पड़ोसी जिला कुरुक्षेत्र के लाडवा से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। गांधी भाई–बहन लाडवा से होकर थानेसर जाएंगे। चुनावी राज्य में यह उनकी पहली संयुक्त उपस्थिति है। वहीं, अपने भाषण के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर उद्योगपतियों के लिए काम करने का आरोप लगाया और दावा किया कि जैसे ''सुनामी आती है, वैसे ही गौतम अदाणी के बैंक खाते में पैसे आते रहते हैं'', जबकि आम आदमी संघर्ष करता रहता है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस हरियाणा में सरकार बनाएगी और बदलाव लाएगी। अंबाला जिले के नारायणगढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि लड़ाई कांग्रेस और भाजपा तथा उनकी विचारधाराओं के बीच है। उन्होंने कहा, ''एक तरफ न्याय और दूसरी तरफ अन्याय है।'' रैली के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांध ी वाद्रा और हरियाणा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा तथा कुमारी सैलजा भी

उपस्थित रहे। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह सरकार बड़े उद्योगपतियों की है। उन्होंने कहा, ''हरियाणा में हमें ऐसी सरकार नहीं चाहिए, बल्कि किसानों, मजदूरों और गरीबों की सरकार चाहिए।'' अमेरिका की अपनी हालिया यात्रा का जिक्र करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने वहां हरियाणा के कुछ प्रवासियों से मुलाकात की जो बेहतर भविष्य की तलाश में वहां गए थे क्योंकि उन्हें अपने गृह राज्य में रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह देखना महत्वपूर्ण है कि कितना पैसा गरीब और आम लोगों की जेब में आ रहा है और कितना बाहर जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा, ''आपको यह पूछना होगा कि क्या आपकी जेब से अधिक पैसा जा रहा है या आपकी जेब में अधिक पैसा आ रहा है?'' उन्होंने दावा किया, ''अदाणी जी के बारे में सोचिए। वह सुबह उठते हैं, खेत में काम नहीं करते, हल नहीं चलाते, छोटा–मोटा ध ंधा नहीं करते, बढ़िया खाना खाते हैं, आलीशान घर में रहते हैं और 24 घंटे, उनके बैंक खाते में पैसे आते रहते हैं, बिना रुके। जैसे सुनामी आती है, वैसे ही उनके बैंक खाते में पैसे आते रहते हैं।''

# खजाना मार्केट एवं आशियाना क्षेत्र के व्यापारियों ने उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के तत्वाधान में आयोजितष ट्रेडर्स सेमिनारष में व्यापार करने के आधुनिक तरीके सीखे

## खजाना मार्केट में दीपावली के अवसर पर कार्निवल लगाया जाएगा तथा बाजार को सजाया जाएगा सामूहिक छूट की योजनाएं चलाई जाएंगी संदीप सिंह गौर

लखनऊ ,सोमवार खजाना व्यापार मंडल संबंद्ध उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के तत्वावधान में खजाना मार्केट ,आशियाना में ष्ट्रेडर्स सेमिनारष का आयोजन हुआ सेमिनार में रिटेल सेक्टर के व्यापारियों को व्यापार करने के आधुनिक तरीकों की जानकारी दी गईसेमिनार में वक्ताओं एवं विषय विशेषज्ञों ने मुख्य रूप से फाइनेंस, स्मार्ट ट्रेडिंग, ई–कॉमर्स, क्विक कॉमर्स, क्लस्टर परचेसिंग, स्मार्ट मार्केट , सिबिल स्कोर एवं व्यापारियों की सुरक्षा तथा साइबर क्राइम की जागरूकता के विषय पर चर्चा कीष्ट्रेडर्स सेमिनार ष्को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता के रूप में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा वर्तमान समय ई– कॉमर्स के साथ–साथ क्विक– कॉमर्स का आ गया है व्यापारियों को और अधिक स्मार्ट बनना होगा तथा अपनी बाजारों को स्मार्ट मार्केट के रूप में परिवर्तित करना होगा तथा ग्राहकों को वापस परंपरागत बाजारों की ओर मोड़ना होगा, बाजारों में कार्निवाल लगाने होंगे, तथा एनी टाइम रिटर्न एवं एनीटाइम एक्सचेंज कीशैली अपनानी होगी तथा ग्राहकों की और अधिक देखभाल करनी होगी उन्होंने कहा वर्तमान समय ई–कॉमर्स के साथ–साथ क्विक कॉमर्स का समय है व्यापारियों को अधिक स्मार्ट बनना होगा उन्होंने व्यापारियों को जागरूक करते हुए कहा रिटेल सेक्टर के व्यापारी अपने उत्पादों को स्वयं से ई–कॉमर्स प्लेटफार्म पर सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर व्हाट्सएप ,फेसबुक, इंस्टाग्राम तथा अपनी स्वयं की वेबसाइट बनाकर अपने व्यापार को बढ़ा सकते हैं नगर उपाध्यक्ष एवं जेम पोर्टल( गवर्नमेंट ई मार्केट प्लेस ) के व्यापार विशेषज्ञ परवेश जैन ने व्यापारियों को जेम पोर्टल के बारे में जानकारी दी उन्होंने कहा जेम पोर्टल के माध्यम से व्यापारी अपने व्यापार को बढ़ा सकते हैं तथा स्वयं को पोर्टल पर रजिस्टर करके सीधे सरकारी विभागों में अपना सामान विक्रय कर सकते हैं उन्होंने व्यापारियों को जेम पोर्टल पर रजिस्टर करने के तरीकों की भी जानकारी दी उन्होंने व्यापारियों को बताया इसके माध्यम से जिला एवं राष्ट्रीय स्तर तक व्यापारी अपने उत्पाद को बेच सकते हैं तथा भुगतान के लिए भी दौड़ना नहीं पड़ता है भुगतान भी सीधे व्यापारियों के खाते में पहुंच जाता है खजाना व्यापार मंडल के अध्यक्ष संदीप सिंह गौर एवं महामंत्री आर के एस राठौड़ ने कहा दीपावली के अवसर पर खजाना मार्केट में सामूहिक छूट की योजनाएं चलाई जाएंगी तथा बाजार में कार्निवाल लगाया जाएगा तथा पूरी बाजार को सजाया जाएगा ट्रेडर्स सेमिनार को एमएसएमई विषय विशेषज्ञ एवं नगर अध्यक्ष हरजिन्दर सिंह ने व्यापारियों को एमएसएमई में पंजीकृत होने के लाभ बताएं

# निकायों में चल रहा "155 घंटे का नान–स्टाप महासफाई अभियान"

## स्वच्छता अभियान के पांचवें दिन हेरिटेज प्लेस, नदी घाटों, धार्मिक स्थलों व चौराहों पर चला विशेष सफाई अभियान-मंत्री ए0के0 शर्मा

लखनऊ। प्रदेश के नगरों को स्वच्छ, सुन्दर और वैश्विक स्तर का बनाने के लिए सभी नगरीय निकायों में ''155 घंटे का नॉन–स्टॉप महासफाई अभियान'' 26 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए निकाय स्तर के सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट्स (जीवीपी) तथा ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर ऐसे स्थानों को स्वच्छ बनाकर सुन्दर स्थान में परिवर्तित करें। निकायों के ऐसे स्थान जहां कूड़ा पड़ता है, उसे साफ कर सुंदर बनाया जाये। ऐसे स्थल दोबारा कूड़ा स्थल में परिवर्तित न हों, इसके लिए उन स्थानों पर बच्चों के खेलने का पार्क, ओपन जिम, वेंडिंग जोन, बुजुर्गों के बैठने के स्थान आदि बनाया जाए। उन्होंने कहा कि आगामी त्योहारों को स्वच्छता का प्रतीक बनाने के लिए निकायों व गंगा टाउन व नदी घाटों, धार्मिक स्थलों, नगर के मुख्य मार्गों, चौराहों व हेरिटेज स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाकर उन्हें स्वच्छ और सुन्दर बनाया जाये। निकायों में स्थापित वेस्ट–टू–वंडर पार्कों में भी साफ–सफाई कर सुन्दर बनाने का निरंतर प्रयास किया जाये।

नगर विकास मंत्री ने निकायों में चल रहे ''155 घंटे का नॉन–स्टॉप महासफाई अभियान'' के पांचवें दिन सोमवार को निकायों में स्थित ऐतिहासिक स्थलों, धार्मिक स्थलों, चौराहों और नदी घाटों की साफ–सफाई और सुंदरीकरण कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्य मार्ग और चौराहे नगर का आईना होते हैं। दूसरे जिलों और राज्यों से आने वाले लोग चौराहे और मुख्य मार्ग से ही शहर की स्थिति का आंकलन कर लेते हैं। ऐसे से हमें मुख्य मार्गों और चौराहों को विशेष रूप से स्वच्छ और सुन्दर बनाना है। इससे लोगों के स्वभाव और संस्कार में स्वच्छता की भावना स्थापित होगी, जिससे वे कचरे को कहीं भी फेंकने से परहेज करते हैं। उन्होंने कहा कि आगामी त्योहारों को देखते हुए हमें नगरों के ऐतिहासिक स्थलों, धार्मिक स्थलों और घाटों पर भी सफाई और सुंदरता का विशेष ध्यान रखना है।

मंत्री शर्मा ने कहा कि स्वच्छ वातावरण में ही ईश्वर का वास होता है और सुख–समृद्धि भी बढ़ती है। दुनिया के समृद्ध देशों को देखें तो वहां साफ–सफाई, स्वच्छता का विशेष ख्याल रखा जाता है। वहां के नागरिक स्वच्छता के प्रति बहुत ही गम्भीर और जिम्मेदार होते हैं। उन्होंने आगामी त्योहारों नवरात्रि, दशहरा, दीपावली, छठ पूजा को 'स्वच्छ त्योहार, स्वस्थ त्योहार' के रूप में मनाने का आह्वान किया और सभी निकाय कार्मिकों को स्वच्छता को निरन्तर बनाये रखने के निर्देश दिए। मंत्री जी के निर्देश पर अभियान के 5वें दिन सभी निकायों में स्वच्छ विरासत (हेरिटेज प्लेस), धार्मिक स्थलों व घाटों के आसपास के क्षेत्रों की सफाई करायी गयी। कार्मिकों द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने और उसके विकल्पों के बारे में जागरूक किया गया। धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों के आसपास के शौचालयों की सफाई कर येलो स्पॉट्स से मुक्त कराया गया। कार्यक्रम अंतर्गत स्वयं सेवी संस्थान, युवाओं, कॉलेजों, कला क्लबों, सामुदायिक संगठनों के साथ जुड़ाव, विरासत स्थलों और आस–पास के क्षेत्रों और इसकी परिधि की सफाई, प्लास्टिक निषेध क्षेत्र की स्थापना, सौंदर्यीकरण एवं स्वच्छता से संबंधित वाल पेंटिंग, नागरिकों की सहभागिता व घाट सौंदर्यीकरण का कार्य कराया गया। सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों के अधिकारियों और कर्मचारियों को सड़कों और गलियों, धार्मिक स्थलों, मठों, मंदिरों व नदी घाटों के आसपास के क्षेत्रों की सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।मंत्री ने स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत करने के निर्देश दिए हैं ताकि त्योहारों के दौरान श्रद्धालुओं को अंधेरे के कारण आवागमन में परेशानी न हो। स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति में बाधा नहीं आनी चाहिए और श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए प्रसाद और कूड़े का उचित निपटान भी सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि लोगों को प्रसाद और कूड़ा–कचरा इधर–उधर नहीं फेंकना चाहिए तथा पूजा स्थलों के आसपास कूड़ेदान रखना चाहिए। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लेकर स्वच्छ और स्वस्थ त्योहार मनाने के लिए जागरूक करना चाहिए।

अभियान के 5वें दिन 1185 ऐतिहासिक स्थलों (हेरिटेज प्लेस), 2478 धार्मिक स्थलों, 311 नदी घाटों, 513 वाटर बॉडीज, 1605 चौराहों को 17443 कार्मिकों के माध्यम से स्वच्छ और सुन्दर बनाया गया। स्वच्छता के जन आंदोलन में 25 हजार से अधिक लोगों ने जनसहभागिता की, जिसके परिणाम स्वरूप 33,807 किलोग्राम कूड़ा एकत्रित कर निस्तारित किया गया। वेस्ट–टू–वंडर पार्कों की सफाई और सुंदरता पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इस दौरान प्रदेश की निकायों के 836 वेस्ट–टू–वंडर पार्कों में 1128 सीटीयू को चिन्हित किया गया। वहीं 28652 किलोग्राम कूड़ा भी एकत्रित कर निस्तारित किया गया। जिसमें 10156 कार्मिकों के साथ 13158 लोगों ने प्रतिभाग किया। साथ ही 1377 वेस्ट–टू–आर्ट को भी इन स्थानों पर स्थापित किया गया।

# पुलिस की घेराबंदी कर दिव्यांगों को शांति मार्च निकालने से रोका

## ' मुख्यमंत्री के ओ.एस.डी. से वार्ता कर सौंपा गया ज्ञापन

लखनऊ। दिव्यांग महागठबन्धन के तत्वावधान दिव्यांग संगठनों का लेखपाल पद पर चयनित दिव्यांगजनों को नियुक्ति पत्र जारी कराने, दिव्यांगजन को नौकरी, रोजगार, स्वास्थ, शिक्षा सुरक्षा की सौ फीसदी गारन्टी दिलाने, दिव्यांगजन अधिनियम 2016 लागू करवाने, दिव्यांग पेंशन 5 हजार रूपया करने व दिव्यांग उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज करने की मांग को लेकर ईको गार्डेन से मुख्यमंत्री कार्यालय तक शान्ति मार्च निकाला जाना सुनिश्चित किया गया था परन्तु मौके पर मौजूद पुलिस ने बलपूर्वक घेरा बन्दी करके जाने से रोक दिया गया। इसके पश्चात दिव्यांग महागठबन्ध के नेताओं द्वारा मुख्यमंत्री के ओ.एस.डी.से मुलाकात कर अपनी मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष, प्रभारी प्रशासन दिनेश कुमार सिंह जी भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। दिव्यांग महागठबंधन के महासचिव वीरेंद्र कुमार ने कहा कि नौ माह से लेखपाल पद पर चयनित दिव्यांगों ने ईको गार्डेन मे धरना अनशन कर रहे हैं। दिव्यांग अभिषेक नौकरी न मिलने से सदमे में आकर आत्महत्या कर लिया जिसकी जिम्मेदार सरकार है। सरकार दिव्यांगजन को आत्महत्या के लिये उकसा रही है। चयन होने के बाद भी सरकार द्वारा नियुक्ति पत्र न देना अन्याय है। दिव्यांग महागठबन्धन दिव्यांगजनो के अधिकारों को दिलाने के लिए सड़क पर उतरेगी और चुनाव में अपने वोट की ताकत सरकार को दिखायेगी। महागठबन्धन के अध्यक्ष मनीष प्रसाद ने कहा कि दिव्यांगजन को नौकरी, रोजगार, स्वास्थ, शिक्षा सुरक्षा की सौ फीसदी गारन्टी दिलाने मिलनी चाहिए, दिव्यांगजन अधिनियम 2016 8 वर्षो में सरकार लागू नही कर सकी, दूसरे स्टेट में दिव्यांगजन को दिव्यांग पेंशन 5 हजार रूपया मिल रही है जबकि उत्तर प्रदेश में एक हजार रूपया पेंशन सरकार दे रही रहीद्य उत्तर प्रदेश में दिव्यांगजन का उत्पीड़न हो रहा है पुलिस रिपोर्ट तक नहीं दर्ज करती है।

# संस्कृत के मेधावियों को किया गया सम्मानित

## जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में पन्द्रह दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का समापन समारोह आयोजित

प्रयागराज(आरएनएस)। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत भारती एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में पन्द्रह दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का समापन समारोह आज आयोजित किया गया। साथ ही संस्कृत विभाग एवं राजभाषा तथा मातृभाषा समिति द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण भी सम्पन्न हुआ।प्राचार्या प्रो. आशिमा घोष ने महाविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष में संचालित समारोह के अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि संस्कृत भाषा में इतनी शुद्धता तथा माधुर्य है कि सभी को सीखना चाहिए। इस आवसर पर अतिथिगण प्रो. एस.पी. सिंह ने संस्कृत को व्यवहार में लाने की प्रेरणा दी। प्रो. सरोज सिंह, सीएमपी डिग्री कालेज ने हिन्दी भाषा के वैश्विक परिप्रेक्ष्य विषय पर व्याख्यान दिया। डा. संजय सिंह, आईआईआईटी ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृत संभाषण की परियोजनाओं का परिचय दिया। प्रमोद पण्डित, क्षेत्र संघटन मंत्री संस्कृत भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश ने अपने रोचक उद्बोधन और आशीर्वचन से विद्यार्थियों को कृतार्थ किया। शिविर का संयोजन संस्कृत विभाग की प्रभारी डा. प्रमा द्विवेदी एवं संस्कृतभारती के शालिग्राम त्रिपाठी ने किया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली द्वारा नियुक्त नरु गोपाल मंडल ने शिविर में प्रशिक्षक के दायित्व का निर्वहन किया। हिन्दी विभाग की प्रो. रतनकुमारी वर्मा, समन्वयक, संस्कृत विभाग एवं प्रभारी, राजभाषा एवं मातृभाषा समिति ने धन्यवाद ज्ञापन किया। शोधच्छात्रा जया पाण्डेय ने कार्यक्रम का संचालन किया. इस संभाषण शिविर में संस्कृत विभाग एवं महाविद्यालय के विभिन्न विभागों की लगभग 60 छात्राओं, शोध अध्येताओं और राजनीति विज्ञान विभाग की सहायकाचार्या डा. अंजलि शिवहरे ने प्रतिभाग किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। साथ ही संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित क्विज , निबन्ध, मेंहदी एवं कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

सर्वाधिक पुरस्कार बी.ए. द्वितीय वर्ष की साक्षी दुबे ने प्राप्त किये.इस अवसर पर उ. प्र. संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित संस्कृत गीत प्रतियोगिता की मण्डलस्तर पर विजेता महाविद्यालय की छात्रा गरिमा मिश्रा जो लखनऊ में आयोजित राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिये शुभकामनाएं दी गयीं।

# खेल छात्रावास म्योहाल बना चौंपियन

प्रयागराज(आरएनएस)। जिला वालीबॉल संघ प्रयागराज के तत्वाधान में देव एकेडमी और आल्ट्राटेक सीमेंट के सौजन्य से तीन दिन तक देव स्पोर्ट्स पब्लिक स्कूल, बसवार, चाका, नैनी में आयोजित मानसून वॉलीवॉल टूर्नामेंट के फाईनल मैच में खेल छात्रावास मयोहाल ने देव स्पोर्ट्स अकादमी बसवार, नैनी को एक संघर्ष पूर्ण मुकाबले में हराकर विजेता ट्राफी पर अपना कब्जा जमा लिया।

इससे पूर्व दो दिनों तक चले इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीमों ने भाग लिया था। फाइनल मैच से पूर्व पी आर सी प्रयागराज और म्योहाल के मध्य तथा देव स्पोर्ट्स अकादमी नैनी और पुलिस लाईन प्रयागराज के मध्य सेमी फाइनल मुकाबला खेला गया था। मुख्य अतिथि सांसद प्रयागराज कुंवर उज्ज्वल रमण सिंह ने विजेता तथा उप विजेता टीम को कप प्रदान कर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि हार जीत खेल का एक अंग है।हारने वाली टीम को पुनः अपने गलतियों का सुधार कर आगे जितने का प्रयास करना चाहिए, तथा जीतने वाली टीम को अहंकार न कर अपने प्रदर्शन को निरंतर अच्छा बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए।उन्होंने उक्त आयोजन के लिए जिला वॉलीवाल संघ से अध्यक्ष प्रभात राय एवम आयोजन कर्ता देव स्पोर्ट्स पब्लिक स्कूल एवं अकादमी के निदेशक चंद्रभान राय को इतना शानदार एवम सफल आयोजन के लिए बधाई एवम धन्यवाद प्रदान किया।कार्यक्रम के समापन में चंद्रभान राय ने मुख्य अतिथि सांसद का आभार प्रकट किया।साथ ही उन्होंने अल्ट्राटेक सीमेंट के प्रमुख जलज श्रीवास्तव (अति विशिष्ट अतिथि) एवम विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता उच्च न्यायालय के के राय व सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा का भी आभार प्रकट किया।श्री राय ने कुशल नेतृत्व के लिए जिला वालीबाल संघ के सभी पदाधिकारियों का भी आभार प्रकट किया। इस अवसर पर प्रभात राय, अध्यक्ष जिला वॉलीवाल संघ, वरिष्ठ खिलाड़ी एवम देव अकादमी के कोच संजय राय, फूल चंद्र गुप्ता, अल्ताफ अली, धीरेंद्र यादव, आनंद शर्मा, प्रमोद कुमार राय, पंकज शुक्ल ,विद्या शंकर उपाध्याय, निरंजन कुमार राय, अजय कुमार राय, शतेन्द्र पांडे,धनंजय राय, अक्रांत गुप्ता, भास्कर, मनोज राय, कृपा शंकर उपाध्याय, दिलावर सिंह आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय खिलाड़ी रामाश्रय राय ने किया।

# डॉक्टर की मौत में असिस्टेंट प्रोफेसर और दो जूनियर डश्वक्टरों पर हत्या का मामला दर्ज

## बहन की तहरीर पर दर्ज हुआ मुकदमा, आरोपियों में गर्लफ्रेंड भी

प्रयागराज(आरएनएस)। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर कार्तिकेय श्रीवास्तव की मौत के मामले में उनकी बहन ने हत्या का शक जताते हुए संस्थान के ही एक असिस्टेंट प्रोफेसर व दो जूनियर डॉक्टरों पर केस दर्ज कराया है। इनमें डॉक्टर की सहपाठी महिला मित्र भी शामिल है।डॉक्टर कार्तिकेय की बहन अदिति का आरोप है कि सीनियर डॉक्टर शिवम गुप्ता उनके भाई को प्रताड़ित करते थे। इस बात की शिकायत के बावजूद असिस्टेंट प्रोफेसर सचिन यादव ने कोई कार्रवाई नहीं की। यही नहीं उन्होंने प्रताड़ित भी किया। उधर जूनियर डॉक्टर अनामिका पर आरोप है कि उसने डॉक्टर कार्तिकेय को अपमानित किया। डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। जांच पड़ताल कराई जा रही है। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के जूनियर रेजिडेंट कार्तिकेय श्रीवास्तव (27) एसआरएन अस्पताल के पार्किंग एरिया में अपनी कार के भीतर मृत पड़े मिले थे। कार में एनेस्थीसिया में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन के दो वायल और सिरिंज मिली हैं। घटना को लेकर पहले आत्महत्या की आशंका जाहिर की गई थी।कार्तिकेय मूल रूप से जिला कोटद्वार उत्तराखंड के रहने वाले थे और मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में जूनियर रेजिडेंट–2 के पद पर तैनात थे। शनिवार रात 10रू30 के करीब वह अपनी कार में मृत पड़े मिले थे। सूचना पर डीसीपी नगर अभिषेक भारती व अन्य अफसर पहुंच गए। प्रारंभिक छानबीन और दोस्तों से पूछताछ में यह बात भी सामने आई है

# खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित कराकर रोजगार अधिक से अधिक रोजगार सृजित किए जांय

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अधिक से अधिक इकाइयां स्थापित कराकर अधिक से अधिक रोजगार सृजित किए जांय। खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों की स्थापना के बारे में लोगों को अधिक से अधिक जागरूक किया जाए। इस क्षेत्र में लगाई जाने वाली यूनिटों को दी जा रही सब्सिडी की जानकारी आम जनमानस को दी जाए। खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में लोगों को दिए जा रहे हैं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए। मौर्य ने यह भी निर्देश दिए हैं कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को भी फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में ट्रेनिंग देने का प्लान तैयार किया जाय और उत्पादो की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा पारदर्शिता बनाए रखी जाए। छोटी–छोटी यूनिटों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाए ,तभी किसानो की भी आमदनी बढ़ेगी।उप मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खाद्य प्रसंस्करण विभाग में रिक्त पदों को भरने के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाय। आयोग को भेजे गये अधियाचनों के सम्बन्ध में जहां जरूरी हो, आयोग को अनुस्मारक भेजा जाय। निर्देश दिए हैं कि खाद्य प्रसंस्करण विभाग व उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की एक संयुक्त गोष्ठी आयोजित की जाय, जिसमें खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्योगों की स्थापना, यूपी एस आर एल एम के साथ प्रशिक्षण एवं नये प्रस्ताव प्राप्त करने पर विचार हो। यह भी निर्देश दिए हैं कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023 के अन्तर्गत प्रसंस्करण इकाइयों को स्वीकृत अनुदान की धनराशि एवं एल ओ सी वितरण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जाय।

# जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रेषित प्रकरणों का निस्तारण कर उन्हें अवगत करायें– समिति

## विधान परिषद उ0प्र0 की संसदीय अध्ययन समिति द्वारा कुम्भ मेलाधिकारी व जनपद प्रयागराज के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

प्रयागराज(आरएनएस)। विधान परिषद उत्तर प्रदेश की संसदीय अध्ययन समिति के सभापति सुरेन्द्र चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में समिति के सदस्य किरण पाल कश्यप, बाबू लाल तिवारी की उपस्थिति में जनपद प्रयागराज के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर जन प्रतिनिधियों के द्वारा विभिन्न विभागो में किसी भी कार्य हेतु भेजे गए पत्र के निस्तारण एवं प्रकरण में कृतकार्यवाही की आख्या सम्बन्धित जनप्रतिनिधि को उपलब्ध कराए जाने के सम्बन्ध में विस्तृत समीक्षा की। कार्यक्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के द्वारा संसदीय अध्ययन समिति के सभापति व सदस्यों का अंगवस्त्र, मोमेण्टों व पौधा भेंटकर स्वागत किया गया।कुम्भ मेलाधिकारी विजय किरन आनन्द, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़, डीसीपी नगर अभिषेक भारती, नगर आयुक्त चन्द्र मोहन गर्ग, मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में ग्राम विकास, नगर विकास, लोक निर्माण विभाग, पंचायतीराज, सिंचाई, शिक्षा, ऊर्जा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पुलिस विभाग, समाज कल्याण, राजस्व, आबकारी, पशुपालन, पर्यटन व संस्कृति विभाग सहित सभी विभागो की बिन्दुवार समीक्षा की गयी। बैठक में प्रत्येक विभागवार जनप्रतिनिधियों के भेजे गए पत्र पर अधिकारियों द्वारा की गयी कार्रवाई पर गहन समीक्षा की गयी। सभापति सुरेन्द्र चौधरी ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों से जनप्रतिनिधियों के द्वारा भेजे गए पत्र पर क्या कार्यवाही की गयी तथा उस कार्यवाही से उन्हें अवगत कराया अथवा नही, के बारे में जानकारी प्राप्त की। बैठक में सम्बंधित अधिकारियों के द्वारा सभापति को अवगत कराया गया कि जो भी शिकायतें जनप्रतिनिधिगणों से प्राप्त होती है, उनका निस्तारण कर मौखिकधलिखित व निजी तौर पर भी अवगत कराया जाता है, जिस पर सभापति द्वारा निर्देशित किया गया कि जनप्रतिनिधियों के द्वारा प्रेषित प्रकरणों का निस्तारण करते हुए सम्बन्धित जनप्रतिनिधि को निस्तारण आख्या भेजकर उन्हें सम्बंधित प्रकरण में कृतकार्यवाही से लिखित रूप से अवश्य अवगत करायें।

# डंपर की चपेट में आने से सिमरन का काटा गया हाथ

## प्रयागराज के मेजा में 6 दिन पहले हुआ था हादसा

प्रयागराज(आरएनएस)। मेजा के समहन गांव में 24 सितंबर को 15 साल की छात्रा सिमरन बुरी तरह से घायल हो गई थी। स्कूल से लौटते समय डंपर ने रौंद दिया था जिसमें एक छात्रा रिद्धि की मौत हो गई थी और सिमरन बुरी को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया था। काफी प्रयास के बावजूद उसका दाहिना हाथ डॉक्टरों को काटना पड़ा। रविवार को नीम सराय के निजी अस्पताल में उसका ऑपरेशन किया गया।उधर, शिवसेना की प्रदेश सचिव रूचि तिवारी अस्पताल पहुंचीं और मां–बाप से मुलाकात कर 20 हजार रुपये की आर्थिक मदद भी की। उन्होंने कहा, कि वह बेटी के साथ हैं, अन्य लोग भी आगे आकर हरसंभव मदद करें। सिमरन के पिता बलीराम का करीब एक साल पहले ही निधन हो गया था। वह चार भाई–बहनों में दूसरे नंबर की है। वहीं अस्पताल संचालक की ओर से 4.20 लाख रुपये का बिल तहसील प्रशासन को सौंप दिया गया है। एसडीएम मेजा दशरथ कुमार ने बताया कि सिमरन के इलाज में जो भी खर्च होगा वह मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलेगा।

# प्रयागराज मंडल में सितंबर में रिटायर हुए 51 रेल सेवक

प्रयागराज। प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे से 30 सितंबर को 51 रेल सेवक सेवानिवृत्त हुए। इन सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों में से छविनाथ, दीनानाथ प्रसाद, अरसद मुमताज सिद्दीकी, श्रीमती कृष्णादेवी, श्रीमती शीला देवी को सुरक्षित ट्रेन संचालन हेतु 'एक्सीडेंट फ्री अवार्ड' से सम्मानित किया गया। इस माह सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को कुल लगभग 19,16,39,933 रूपए का समापन भुगतान नियमानुसार डिजिटल माध्यम से किया गया। प्रयागराज मंडल कार्यालय के मंडल सभागार में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, मनीष कुमार खरे एवं मण्डल कार्मिक अधिकारी, के एल जयसवाल द्वारा सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को समापन भुगतान से संबंधित समस्त प्रपत्रों के साथ स्मृति चिन्ह के रूप में गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मैडल सम्मान सहित सौंपा गया। मंडल कार्मिक अधिकारी के. एल. जायसवाल द्वारा सेवानिवृत्ति के उपरांत कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले भुगतान, मानार्थ पास, एचआरएमएस और यूएमआईडी की सुविधाओं के विषय में जानकारी प्रदान किया गया। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी ने सभी सेवानिवृत कर्मचारियों को रेल सेवा में उनके योगदान की सराहना करते हुए उनके आगामी पारिवारिक जीवन में स्वस्थ एवं सक्रिय रहने की कामना की।

## ताइक्वाण्डो में सी.एम.एस. छात्रा ने जीता गोल्ड मेडल

लखनऊ, 30 सितम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज द्वितीय कैम्पस की छात्रा प्रिशा पाण्डेय ने लखनऊ ओपेन इण्टर–स्कूल ताइक्वाण्डो चौम्पियनशिप–2024 में गोल्ड मेडल अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। प्रिशा ने यह उपलब्धि क्योरिगी

कैटेगरी में अर्जित की है। चौम्पियनशिप का आयोजन सनराइज ताइक्वाण्डो एकेडमी के तत्वावधन में मिनी इंडोर स्टेडियम, राजाजीपुरम, लखनऊ में किया गया। सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने विद्यालय की इस होनहार उदीयमान बाल खिलाड़ी के उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस चौम्पियनशिप में लखनऊ के कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. की इस प्रतिभाशाली छात्रा ने अपनी खेल प्रतिभा, चुस्ती–फूर्ती, कौशल तथा दमखम के बलबूते गोल्ड मेडल अर्जित कर राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बनाने का संदेश दिया है। सी.एम.एस. छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु खेलों व समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं। सी.एम.एस. अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें खेलों व अन्य सामाजिक क्षेत्रों के लिए भी विशेष रूप से तैयार करने में पूरे मनोयोग से संलग्न है।

## संगीत एवं नृत्य परीक्षा में सी.एम.एस. छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन'विशारद' की उपाधि प्राप्त की

लखनऊ, 30 सितम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, चौक कैम्पस के तीन प्रतिभाशाली छात्रों संस्कृति अग्रवाल, विदुषी सक्सेना एवं प्रणव सक्सेना ने प्रयाग संगीत समिति, प्रयागराज द्वारा आयोजित संगीत एवं नृत्य परीक्षा में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में जहाँ एक ओर संस्कृति अग्रवाल एवं विदुषी सक्सेना ने कथक नृत्य में अपनी प्रतिभा का

परचम लहराते हुए 'विशारद' की उपाधि अर्जित की है तो वहीं दूसरी ओर प्रणव सक्सेना ने तबला वादन में अपनी महारत सिद्ध कर प्रथम स्थान अर्जित किया है। सी.एम.एस. के इन तीनों प्रतिभाशाली छात्रों नें भारतीय शाष्त्रीय संगीत में अपनी प्रतिभा व ज्ञान के दम पर आगे चलकर राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाने का संकेत दिया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सी.एम.एस. छात्रों की उपलब्धि पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी है एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या व शिक्षकों का आभार व्यक्त किया है।सी.एम.एस. अपने छात्रों को भौतिक, सामाजिक व आध्यात्मिक शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ ही साँस्कृतिक व साहित्यिक क्षेत्रों में भी छात्रों का रुझान विकसित करता है तथापि उनकी क्षमता को पहचानकर उन्हें प्रोत्साहित करता है।

## महाकुंभ 2025 के लिए ट्रैफिक इंस्पेक्टर पवन कुमार पाण्डेय द्वारा दिया गया स्ट्रीट वेंडर्स प्रशिक्षण

प्रयागराजध्महाकुंभ 2025 प्रयागराज में पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों की सुविधा हेतु स्ट्रीट वेंडर्स को जागरुकता कार्यक्रम मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान लखनऊ द्वारा प्रयागराज में होटल राही सिविल लाइंस में महाकुम्भ में सरल सुगम यातायात हेतु पुलिस उपायुक्त यातायात नीरज पाण्डेय वा अपर पुलिस उपायुक्त कुलदीप सिंह के निर्देशन में यातायात निरीक्षक पवन कुमार पाण्डेय द्वारा यातायात के नियमों के बारे में जागरूक किया गया। उनके द्वारा बताया गया की जो भी महाकुम्भ में जो भी स्ट्रीट वेंडर्स अपनी दुकान लगाएंगे वो अपनी दुकान सुव्यवस्थित रूप से सड़क से उचित दूरी पर लगाए जिससे ग्राहक अच्छे से खरीददारी कर पाए और यातायात

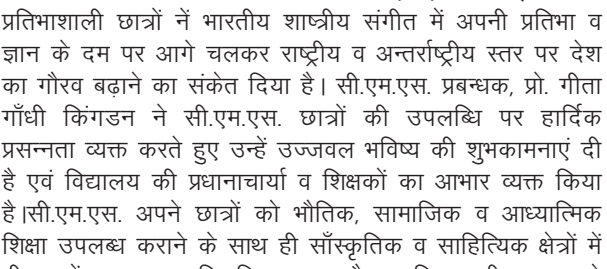

सुगमता पूर्वक चलता रहे ,अपनी दुकान पर कूड़ादान (सूखा गीला) जरूर रखें,उस सर्किल के एसएचओ,चौकी प्रभारी का नंबर जरूर सेव रखें मेले में किसी भी तरह के अफवाह को न फैलने दें जिससे भगदड़ की संभावना न होने पाए,मेले में जो भी नियम बनाए जाएंगे उसका पालन करें। जिस घाट पर छमता से अधिक भीड़ हो उन घाटों पर न जाने के श्रद्धालुओ से अपील करें और प्रशासन का सहयोग करें असुविधा होने पर मदद भी लेते रहें। दूर दूर से आने वाले श्रद्धालुओं के प्रमुख मार्ग का भी ध्यान रखें और उनकी भाषा से भी यह समझ लीजिए की ये व्यक्ति किस राज्य का होगा उसे उसी रूट के तरफ का रास्ता बताएं। अतिथि देवो भव की भावना से मेले में अपना योगदान दें।जो अपने सगे संबंधियों से बिछड़ गए हो उन्हे साउंड सिस्टम से पुकारा कराएं और भूले भटके शिविर में भेजवा दें,मेले के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों के वर्तमान नाम से ही नाम लें जिससे लोगों को सही स्थान तक ले जाया जा सके, संदिग्ध व्यक्तियों के दिखने पर प्रशासन को सूचना दें, जिससे मेले में किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए। प्रतिभागियों को सहायक पर्यटन अधिकारी राजेश भारती द्वारा सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।प्रशिक्षण पर्यटन विभाग असिस्टेंट प्रोफेसर प्रखर तिवारी के उपस्थिति में किया गया और प्रतिभागियों से प्रश्नोत्तरी कर उनके सवाल के जवाब दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान मुकेश प्रसाद,समाज सेवी नितीश शुक्ल,यातायात टीम से संदीप शुक्ल,प्रदीप दुबे मौजूद रहे।

## जलभराव को आखिर कौन सी विधि से किया गया खत्म, आज भी चला मनरेगा काम

सुल्तानपुर(आरएनएस)। बारिश भले आज नहीं हुई लेकिन जलभराव तो हैं क्या मनरेगा कार्य कराने के लिए कोई विदेशी तकनीक का सहारा लिया जा रहा हैं मानो पानी छू मतर हो गया। जनपद के 14 ब्लाकों में से 14 ब्लाकों में मानों जलभराव की समस्या ही नहीं न ही यहा बारिश ही हुई हैं।तभी तो जनपद के कूरेभार ब्लॉक में 790 मजदूर, घनपतगंज में 1390, कुड़वार में 415, लम्भुआ में 630मजदूर,अखण्डनगर में 251 मजदूर और कादीपुर में 243 मजदूर,जयसिंहपुर में 483 मजदूर, कुड़वार में 415 मजदूर ,दूबेपुर में 164 मजदूर ,करौंदीकला में 120 मजदूर ,मोतिगरपुर में 87 मजदूर ,पी.पी कमैचा में 8 मजदूर ,बल्दीराय में 20 मजदूर ,भदैंया में 124 मजदूरों की आनलाईन हाजिरी लगाई गयी हैं मतलब पूरे जनपद में 4975 मजदूरों ने जलभराव में घुस कर काम किया हैं। बाकी और ब्लॉकों में भी आनलाईन हाजिरी लग रही हैं। सवाल इस बात का हैं क्या यह आनलाइन हाजिरी किसी जिम्मेदार अधिकारी के कहने पर लग रहीं हैं या अधिकारी भी इस बात से अनिभिज्ञ हैं कि कही भी जलभराव नहीं हुआ न कहीं बरसात हुई हैं। सिर्फ मनरेगा के मजदूरों को बदनाम किया जा रहा हैं। क्या आज चार दिनों से लग रही आनलाईन उपस्थिति की खबर और लग रहीं आनलाईन उपस्थिति की जांच की जायेगी या भुगतान मिलबाट कर ले लिया जायेगा यह बड़ा सवाल हैं।आखिर जिम्मेदार अधिकारी ऐसे भर्ष्टाचार पर पर्दा क्यूं डाल रहें हैं यह नहीं समझ में आ रहा हैं शायद मानते हो ऐसे ही खबर लिखी जा रही हैं क्या मनरेगा की वेवसाईट झूठ बोल रही हैं क्या यह बड़ा सवाल हैं। सबका साथ सबका विकास का दावा करने वाली सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में पलीता लगाने का काम या तो ब्लॉक पर बैठे कर्मचारी लगा रहें हैं या मनरेगा डीसी।

## 4 व्यापारी नेता को पुत्र शोक, व्यापारिक संगठनो ने दी श्रद्धांजलि

सुल्तानपुर(आरएनएस)। नगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष शिव कुमार अग्रहरि के पोते सराफा व्यापार मंडल के महामंत्री नवीन कुमार अग्रहरी के छोटे पुत्र आदित्य उर्फ वासू अग्रहरि का रविवार की रात्रि पीजीआई में ईलाज के उपरान्त निधन हो गया। सूचना पर परिजनों व व्यापारियों में शोक की लहर दौड़ गई देर रात तक शहर के सैकड़ो व्यापारियों ने उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। सोमवार को शहर के हथियानाला स्थित श्मशान घाट पर वासू अग्रहरि का अंतिम संस्कार किया गया। यहां सराफा व्यापार मंडल व नगर उद्योग व्यापार मंडल के व्यापारियों ने शोक सभा कर मृत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। मिली जानकारी के अनुसार बीते कई महीनो से वासु अग्रहरि की तबीयत खराब थी लखनऊ में उनका इलाज चल रहा था रविवार की रात तबीयत बिगड़ने पर से उनकी मृत्यु हो गई सूचना पर सर्राफा व्यापार मंडल के अध्यक्ष देवी प्रसाद सोनी चंद्रप्रकाश अग्रवाल दयाशंकर शेरू विनय वरनवाल लक्खीचंद्र कौशल राजकुमार सोनी कमल कौशल संजय कुमार इंद्रदेव राजपूत कृष्ण चंद्र कसौधन उमेश अग्रहरि धर्मेंद्र राजू चौधरी रमेश सिंह टिन्नू रवि सोनी संतोष तिवारी सुधीर अग्रहरी राजेश सोनी राजदेव शुक्ल शंभू सोनी मंगल अग्रहरि दिलीप वरन वाल संजय कौशल भारत जी सर्राफ अरुण जयसवॉल के के भाटिया राज कुमार भाटिया समेत सैकड़ो व्यापारी आवास पहुंच गए और नवीन अग्रहरी से शोक संवेदना व्यक्त की। सोमवार को दोपहर में हथिया नाला स्थित श्मशान घाट पर वासु अग्रहरि को मुखाग्नि दी गई।

## अवैध कटान की जानकारी के बाद भी सदर रेंजर की कार्यवाही शून्य

कुड़वारध्सुल्तानपुर(आरएनएस)। थाना क्षेत्र के पूरे फैजू मियां का पुरवा में चार दिन पहले अवैध रूप से काटे गए विशालकाय आम के वृक्ष की सदर रेंज द्वारा संज्ञान के बाद भी कार्यवाही नही की जा रही है। सूत्र बताते है वृक्ष कटने से पहले ही मामले की सेटिंग हो जाती है, विभागीय अधिकारी के अत्याधिक दबाव के बाद ही सदर रेंज कार्यवाही करता है,अन्यथा की स्थिति में जैसे तमाम अवैध कटानो का हुआ है,वैसे ही सभी मामले निपटा दिए जाते है। ताबड़तोड़ सदर रेंज में अवैध कटान होने

के बाद भी जिम्मेदारों पर एक अदद भी कार्यवाई ना होने के चलते मनोबल बढ़ गया है, उन्हें लगता है कि शायद ऐसे नोटिस जारी होती रहेगी और उनके द्वारी खानापूर्ति होती रहेगी,एक सवाल सभी के दिमाग में कौंधता है की आखिर वजह क्या है की सदर रेंज में ऐसा होता क्यूं है। बहरहाल अवैध कटान की फेहरिश्त लंबी है, परंतु जबतक ठोस कार्यवाही नही होती तबतक फेहरिश्त में एक और अवैध कटान अंकित होती रहेगी।

## नवागत तहसीलदार ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र मांझा कला का किया निरीक्षण

### -राजस्व कर्मियों को बाढ़ प्रभावितों की स्थिति पर निगरानी बनाए रखने का दिया निर्देश

सोहावल– अयोध्या (आरएनएस)।नवागत तहसीलदार सोहावल सुमित सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र मांझा कला का निरीक्षण किया। इस दौरान राजस्व कर्मियों को बाढ़ प्रभावितों की स्थिति पर निरंतर निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया।सोमवार को सरयू नदी के तराई क्षेत्र में स्थित मांझा कला का निरीक्षण करने पहुंचे तहसीलदार सुमित सिंह ने किसानों की फसलों का अवलोकन किया। इस दौरान निरंतर घट रहे नदी के जल स्तर को लेकर अधिकारियों ने राहत की सांस ली। पिछले दिनों नदी के उफान से मांझा कला के सैकड़ों परिवार बाढ़ की चपेट में आ गए थे। बाढ़ प्रभावितों ने तहसील क्षेत्र के सहारा बाग एवं कोटसराय स्कूल में शरण लिया था। जहां पर बाढ़ प्रभावितों को भोजन सहित शासन से मिलने वाली अहैतुक सहायता आदि जिला प्रशासन की तरफ से मुहैया कराई गई थी। बीते तीन दिनों तक लगातार हुई बारिश के मद्देनजर तहसीलदार ने राजस्व कर्मियों के साथ माझा कला का निरीक्षण किया। तहसीलदार सुमित सिंह ने बताया कि नदी का जल स्तर निरंतर घट रहा है। किसानों के खेतों में बाढ़ के पानी का कोई असर नहीं दिखाई पड़ा है। फिर भी एहतियातन राजस्व कर्मियों को निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीय लेखपाल जितेंद्र विश्वकर्मा आदि सहित स्थानीय लोग मौजूद रहे।

## संस्कृत उत्सव के अवसर पर मनाया गया अवध के राम

श्री बाला जी महिला कल्याण संस्थान लखनऊ द्वारा आयोजित सांस्कृतिक उत्सव अवध के राम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।

श्री बाला जी महिला कल्याण संस्थान द्वारा गीता भवन राजा बाजार लखनऊ में सांस्कृतिक उत्सव के शुभ अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें स्कूल के बच्चों ने अवध के राम शीर्षक पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया बच्चों ने बढ़ चढ़कर इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया सभी सम्मिलित बच्चो को उनके प्रदर्शन के आधार पर सम्मानित और पुरुस्कृत किया और संस्था के अध्यक्ष श्री विशाल शर्मा जी बच्चों की प्रशंशा करते हुए उन्हें पुरुस्कृत भी किया और इसका हमारे जीवन में क्या महत्व है उसे भी अपने विचारो में प्रकट किया ।

इस कार्यक्रम में संस्था के सभी पदाधिकारी, स्कूल के प्रबंधक एवम अध्यापक सभी स्टाफ उपस्थित रहे! क्षेत्र के सम्मानित व्यक्ति के साथ साथ पूर्व डिप्टी सीएम श्री दिनेश शर्मा जी भी मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे !

## साफ–सफाई बहुत सारी बीमारियों से हमें बचाती है– डॉ.सलिल

### 'स्वच्छता एकदिन नही बल्कि हमें,आपको जीवन पर्यंत के लिए मिशन बनाना चाहिएरूडॉ.गोयल'

सुल्तानपुर(आरएनएस)। स्वशासी राजकीय महा विद्यालय में स्वच्छता पखवाडेध की शुरुआत पर प्राचार्य डॉ.सलिल श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्साधिक्षक डॉ.एसके गोयल के द्वारा झाडू लगाकर साफ–सफाई का संदेश दिया गया।पखवाडेध की शुरुआत करते हुए प्राचार्य डॉ.सलिल श्रीवास्तव ने कहाकि साफ–सफाई हमें तमाम बीमारियों से सुरक्षित करता है, हमें अपने आस–पास साफ–सफाई रखना और दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए। प्राचार्य डॉ.सलिल श्रीवास्तव ने कहाकि गंदगी विभिन्न प्रकार की बीमारी उत्पन्न तो करती ही है, इसका असर आपके स्वास्थ पर भी पड़ता है। मुख्य चिकित्साधिक्षक डॉ.एसके गोयल ने कहाकि यदि हम अपने आस–पार स्वच्छता बनाएं रखे तो बहुत सारी शारीरिक समस्याओं से निजात पाएगें, खानपान व जीवनशैली में स्वच्छता का मिश्रण करने से रोगमुक्त रहा जा सकता है। सीएमएस डॉ.गोयल ने कहाकि स्वच्छता एकदिन नहीं बल्कि हमें आपको जीवन पर्यंत के लिए मिशन बनाना चाहिए,उक्त अवसर पर डॉ. आरिफ, डॉ.श्रेया, सहायक नर्सिंग अधीक्षक आर पी सिंह, अमित मिश्रा, विक्रम सिंह, दूधनाथ मिश्रा सहित मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर व सटाफ मौजूद रहें।

## शोकसभा कर व्यापारियों ने दी मृत आत्मा को श्रद्धांजलि

युवाओं में खासे लोकप्रिय आदित्य उर्फ वासु अग्रहरि के निधन से शोकाकुल व्यापारियों ने अपनी दुकान बंद रखी वहीं शोकसभा कर मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की यहां प्रमुख रूप से सर्राफा व्यापार मंडल के अध्यक्ष देवी प्रसाद सोनी चंद्रप्रकाश अग्रवाल दयाशंकर शेरू विनय वरनवाल लक्खीचंद्र कौशल राजकुमार सोनी कमल कौशल संजय कुमार इंद्रदेव राजपूत कृष्ण चंद्र कसौधन उमेश अग्रहरि धर्मेंद्र राजू चौधरी रमेश सिंह टिन्नू रवि सोनी संतोष तिवारी सुधीर अग्रहरी राजेश सोनी राजदेव शुक्ल शंभूसोनी मंगल अग्रहरि दिलीप वरनवाल संजय कौशल भरत जी सर्राफ अरुण जयसवॉल पल्लव खेतान के के भाटिया राज कुमार भाटिया आदि मौजूद रहे।

## भाकियू कार्यकर्ताओं से एसडीएम मिल्कीपुर की झड़प

मिल्कीपुर–अयोध्या (आरएनएस)। भारतीय किसान यूनियन द्वारा विगत दिनों 3 सितंबर को दिए गए मांग पत्र के सापेक्ष एक भी मामले का निस्तारण न होने को लेकर भारतीय किसान यूनियन पदाधिकारियों ने मिल्कीपुर तहसील मुख्यालय परिसर में पंचायत आयोजित की। जहां पुनः अपनी बात पंचायत के माध्यम से समस्या के निस्तारण हेतु उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर राजीव रतन सिंह से संपर्क कर निस्तारण का प्रयास भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष सहित पंचायत में आई हुई महिलाओं ने किया और भारतीय किसान यूनियन कार्यकर्ता जिसमें महिलाएं भी शामिल थी, उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर से मिलने जा रहे थे। किन्तु उपजिलाधिकारी अपनी सरकारी गाड़ी में बैठकर जाने को तैयार थे कि भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष सहित अपनी बात को कहने के लिए उनके पास पहुंचे ही थे कि उन्होंने उनकी बात को न सुन गाड़ी आगे बढ़वा दिया। लेकिन भारतीय किसान यूनियन के पंचायत में आई महिलाएं उनकी गाड़ी के आगे खड़ी होकर अपनी बात सुनने की जिद पर अड़ गई। यह देख एसडीएम आग बबूला हो गए और जिलाध्यक्ष सहित आई हुई सभी महिलाओं के साथ अभद्रता कर बदतमीज तक कह डाला। अपनी हनक दिखाते हुए पुलिस फोर्स बुलाकर मुकदमा लिखने तक की बात की और जांच करने की बात की। मौके पर पहुंची इनायत नगर पुलिस भाकियू कार्यकर्ताओं का तेवर देख कार्यवाही से कतरा गई। आखिरकार नायब तहसीलदार मिल्कीपुर नाराज कार्यकर्ताओं के पास पहुंचे और समझा बूझाकर शांत कराया तथा उनकी समस्याओं का निदान कराए जाने का आश्वासन दिया।

## सिंधी अनुवाद में रोजगार के तेजी से बढ़े अवसर – डा. दिनकर

अयोध्या (आरएनएस)। भारत सरकार के मैसूर स्थित राष्ट्रीय अनुवाद परिषद में सीनियर रिसोर्स पर्सन डॉ. दिनकर प्रसाद ने सिंधी अनुवादकों की भारी कमी की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए सिंधी युवाओं का अनुवाद के क्षेत्र में कैरियर बनाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद सभी भारतीय भाषाओं में अनुवाद रोजगार के अवसरों में तेजी आई है। किंतु अन्य भाषाओं की तुलना में सिंधी अनुवादकों की भारी कमी बनी हुई है। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के आवासीय परिसर में संचालित अमर शहीद संत कँवरराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र में अध्ययनरत एमए सिंधी के विद्यार्थियों को डॉ. दिनकर अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के अवसर पर ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मशीन कभी भी सटीक अनुवाद नहीं कर सकती है, इसलिए अच्छे अनुवादकों की मांग हमेशा बनी रहती है। डॉ. प्रसाद ने कहा कि संसार में जब से लेखन कार्य आरंभ हुआ है तभी से अनुवाद भी हो रहे हैं। अनुवादक का उतना ही सम्मान होता है जितना कि मूल लेखक का। कार्यक्रम में फिरोजाबाद की संस्कृत विदुषी डॉ. तुलसी देवी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत साहित्य में अनुवाद को ब्रह्मानंद सहोदर कहा गया है और अनुवाद से पूरी वसुधा कुटुंब बन जाती है। श्री गंगानगर, राजस्थान के श्री करन वाणी ने सिंधी अनुवाद कार्य में तकनीकी शब्दावली की कमी की ओर ध्यान आकृष्ट किया। अयोध्या के श्री कपिल कुमार ने सिंधी साहित्य में अनुवाद साहित्य की लंबी परंपरा पर विस्तृत आलेख पढ़ा। उन्होंने बताया कि जगत आडवाणी ने अकेले 200 से अधिक पुस्तकों का अनुवाद किया है। जोधपुर की पूजा कल्याणी ने कहा कि अनुवाद कार्य मातृभाषा की भक्ति है और अनुवाद ही सार्वभौमिक पहचान प्रदान करता है। नोएडा की ज्योति मूलानी ने बताया कि अनुवाद क्षेत्र में सक्रिय भाषिणी एप्लीकेशन में क्षेत्रीय भाषाओं का इस्तेमाल एक क्रांतिकारी कदम है। जयपुर की माया वसंदाणी ने कहा कि किसी अनुवाद को पढ़ते समय पाठक को शब्दकोश की आवश्यकता नहीं पड़नी चाहिए। लखनऊ से सुदाम चंदवाणी ने कहा कि गूगल पर सिंधी की मांग न होने से सिंधी में गूगल ट्रांसलेशन उपलब्ध नहीं है, उन्होंने सिंधी का उपयोग बढ़ाये जाने पर बल दिया। अयोध्या की सपना खटनानी ने अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस को स्वयं के बनाये चित्रों से प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम में रेलवे पुलिस बल के रिटायर्ड आई.जी. और एम० ए० सिंधी के विद्यार्थी राजाराम ने परिचर्चा की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जब तक सिंधी को उचित राजाश्रय प्राप्त नहीं होगा, तब तक सिंधी का संपूर्ण विकास संभव नहीं है। सिंधी अध्ययन केंद्र के सलाहकार ज्ञानप्रकाश टेकचंदानी 'सरल' ने बतौर सूत्रधार कहा कि कुरान का पहला अनुवाद सिंधी भाषा में हुआ था। इस अवसर पर एम० ए० सिंधी के विद्यार्थियों दुर्गा संतानी, रेनू पंजवानी, वंदना दानवानी, पिंकी भोपानी, प्रताप राय, नीतू चंदानी आदि विद्यार्थियों ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

## भारतीय पारंपरिक लोक कला उत्सव मनाया गया

श्री बाला जी महिला कल्याण संस्थान लखनऊ द्वारा आयोजित भारतीय पारंपरिक लोक कला उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।

श्री बाला जी महिला कल्याण संस्थान द्वारा ब्रेन कॉन्वेंट स्कूल राजा बाजार लखनऊ में भारतीय पारंपरिक लोक कला उत्सव के शुभ अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें स्कूल के बच्चों ने अपनी कला दिखाया बच्चों ने बढ़ चढ़कर इस कार्यकर्म में हिस्सा लिया और संस्था के अध्यक्ष श्री विशाल शर्मा जी बच्चों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें पुरुस्कृत भी किया और इसका हमारे जीवन में क्या महत्व है उसे भी अपने विचारो में प्रकट किया । इस कार्यक्रम में संस्था के सभी पदाधिकारी के साथ साथ स्कूल के प्रबंधक एवम अध्यापक सभी स्टाफ उपस्थित रहे साथ साथ क्षेत्र के सम्मानित अतिथि भी रहे कार्यक्रम के अन्त में बच्चों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 01 अक्टूबर 2024
sheelshukla100@gmail.com


# संपादकीय

## बैठे बिठाए भाजपा को आक्सिजन

ताजा प्रसंग हरियाणा का है। वहां कांग्रेसियों ने बैठे बिठाए भाजपा को आक्सिजन दे दी। टिकट बंट गए। लोगों ने नामांकन भर दिए। नाम वापसी की तारीख खतम हो गई फिर अचनानक कुमारी सैलजा को याद आया कि उनके गुट को टिकट कम मिले हैं तो वे जा कर कोपभवन में बैठ गईं। कांग्रेस हाईकमान और ज्यादा खुशामद में लग गया। खुद कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने दो बार सैलजा से मुलाकात की। उनके बर्थ डे पर खूब हंसते हुए जैसे उनके फोटो आमतौर पर दिखते नहीं मिठाई खिलाई। और मुख्यमंत्री पद का आश्वासन दिया।कांग्रेस में क्षत्रप कब पैदा होते हैं? तब जब हाईकमान कमजोर होता है। और क्षत्रपों के ताकतवर होने से क्या होता है? कांग्रेस एक के बाद एक चुनाव हारने लगती है। नेता का अच्छा होना, सरकार से नहीं डरना, आम लोगों से खूब घुलना मिलना अलग बातें हैं। ताजी हवा का झौंका भी है मगर अपनी पार्टी के लोगों से अपनी बात नहीं मनवा पाना, उनके छोटे–छोटे दबावों के सामने झुक जाना अच्छे नेतृत्व की निशानी नहीं है।भारत में नेता घोड़े वाला ही चलता है। नकेल डाले हुए अपने को दमदार दिखाता हुआ। हमारे यहां दुल्हे भी इसीलिए घोड़े पर बिठाकर, तलवार बांध कर, साफा पहने हुए पीछे बारात के साथ ही शोभायमान माने जाते हैं। दुल्हे में दम हो या ना हो मगर हाथ तलवार की मूठ पर ही रहता है। तलवार, घोड़ा और साफा शक्ति के प्रतीक माने जाते है।इसलिए नेता को भी शक्तिशाली दिखना पड़ता है। नरेंद्र मोदी क्यों कहते हैं कि 56 इंच की छाती! और राहुल को क्यों जवाब देना पड़ता है कि अब नहीं रही?प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व प्रदर्शन और नेता विपक्ष राहुल गांधी के इसी को तोडने की कोशिश में ही राजनीति का सारा खेल है। ममता बनर्जी क्यों रणचंडी बनी रहती हैं? लालू यादव क्यों अपनी खराब सेहत के बावजूद बीच–बीच में आकर गरजते हैं? उद्धव ठाकरे जिनकी छवि एक सज्जन और विनयशील नेता की थी क्यों अब मोदी और अमित शाह को उन्हीं की भाषा में चौलेंज करते हैं ? और यूपी में अखिलेश यादव कोक्यों अचानक बदले हुए रूप में सामने आना पड़ा?केवल और केवल जनता के सामने और उससे पहले अपनी पार्टी के बीच में दबंग दिखने के लिए। दबंग आज के समय में खराब अर्थों में प्रयोग होने लगा हो मगर कभी तो न दबने वाले विद्रोहियों के लिए जो गलत लोगो के सामने खड़े होते थे उनके लिए प्रयुक्त होता था, बांके ! आज तो प्रचलन में नहीं रहा।

मगर कभी दबंग के बदले बांके प्रयुक्त होता था। भगवतीचरण वर्मा की मशहूर कहानी दो बांके! इस पर बहुत फिल्में विल्में भी बनी हैं। गजब कहानी है। पढ़ कर देखिएगा। अब यह लिखने की तो जरूरत नहीं कि भगवतीचरण वर्मा बहुत बड़े लेखक थे।

वैसे आजकल हालत यही हो गई है कि लोगों का पढने लिखने से नाता खतम करवा दिया गया है। सत्ता पक्ष में किसी का नाता साहित्य से नहीं है। जिस दिन सुषमा स्वराज ने वाजपेयी के मंत्री के रूप में राज्यसभा में सीपीआईएम की सदस्य सरला माहेश्वरी के प्रेमचंद को कोर्स से क्यों हटाया, के सवाल के जवाब में यह कहा था कि क्या प्रेमचंद, प्रेमचंद करते रहे हैं तो हम समझ गए थे कि यह साहित्य को भी नहीं बचने देंगे।

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कुछ नहीं बोला। और हमें याद आ गया कि एक ऐसी प्रधानमंत्री थीं जिन्होंने महादेवी वर्मा क्या लिखती हैं, बोलने पर राजस्थान के मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाडिया को हटा दिया था। जी हां इन्दिरा गांधी ने 1981 में। तो कांग्रेस के नेता ऐसे होते थे। शक्तिशाली। आज तो कांग्रेसी राहुल के खिलाफ ही पता नहीं क्या बोल जाते हैं साजिश करते हैं मगर उनसे पूछने वाला भी कोई नहीं होता।

पार्टी इसीलिए कमजोर हुई है। ताजा प्रसंग हरियाणा का है। वहां कांग्रेसियों ने बैठे बिठाए भाजपा को आक्सिजन दे दी। टिकट बंट गए। लोगों ने नामांकन भर दिए। नाम वापसी की तारीख खतम हो गई फिर अचनानक कुमारी सैलजा को याद आया कि उनके गुट को टिकट कम मिले हैं। हुड्डा के लोगों को ज्यादा मिले हैं। वे जाकर कोप भवन में बैठ गईं। जिस समय जनता के बीच में जाकर उनकी बात सुनना थी कि वे भाजपा सरकार से नाराज क्यों हैं उस समय वे टीवी स्टूडियो जा जाकर यह बताने लगीं कि वे कांग्रेस से नाराज क्यों हैं।

पहले तो कहा गया कि हुड्डा समर्थकों ने उनके खिलाफ अपशब्द बोले। कौन हैं वह लोग? एक वीडियो सोशल मीडिया पर चलाया जा रहा है। जिसमें दो लोग एक कैमरे वाले के सामने कुछ बोल रहे हैं। उनका क्या नाम है? कांग्रेस में क्या स्थिति है? कुछ पता नहीं चल रहा। बस यह कहा जा रहा है कि हुड्डा समर्थक हैं।

इसी बात पर पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर ने उन्हें भाजपा में आने का निमंत्रण दे दिया। मायावती द्वारा अपना उत्तराधिकारी घोषित अनिल आनंद ने इसे दलितों का अपमान बताकर उन्हें बसपा में आने का न्योता दे दिया।

मतलब पूरे हरियाणा में कोहराम मचा दिया गया।

कौआ कान ले गया दृ दृ दृ कान ले गया का शोर हो गया। हुड्डा को भी अपनी सफाई देना पड़ी कि हमारे किसी समर्थक ने ऐसा नहीं किया है। और अगर कुछ पता चलेगा तो कार्रवाई होगी। अब वह कौन थे क्या थे किसी को पाता नहीं चला। चुनाव के टाइम में कौन क्या बोलता है किसी को मालूम नहीं पड़ता। कौन किस का समर्थक बन जाता है यह भी नहीं। तो यह मुद्दा नहीं चला। तो सैलजा और सुरजेवाला मुख्यमंत्री का मुद्दा ले आए।

यहीं कांग्रेस हाईकमान को पूछना था कि भाईसाहब, बहन जी क्या पूरा कब्र में ही उतार कर मानोगे? मगर उल्टा कांग्रेस हाईकमान और ज्यादा खुशामद में लग गया। खुद कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने दो बार सैलजा से मुलाकात की। उनके बर्थ डे पर खूब हंसते हुए जैसे उनके फोटो आमतौर पर दिखते नहीं मिठाई खिलाई। और मुख्यमंत्री पद का आश्वासन दिया।

प्रसंगवश बिना हंसे मुस्कराए फोटो मनमोहन सिंह के भी आते थे। मगर वह भावहीन चेहरा होता था। खरगे जी का फेस मोदीजी जैसा आता है। चेहरे पर बेजारी के भाव। मनमोहन मिल कर कितने खुश हैं इसको भारीपन से छुपा पाते थे। यह दोनों मिलते हुए कितने उदासीन हैं। कष्ट में हैं यह इनका चेहरा बताता है।

खैर किसी से भी मिलकर खुशी का इजहार अच्छी बात है। मगर बीच चुनाव में अनुशासनहीनता को बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी शायद ही इस समय कंगना रनौत से मिलें। और मिले भी तो डांट लगाएंगे। कि इस चुनाव के समय किसान बिल वापस लाने की बात कहने की क्या जरूरत थी?

कंगना ने बीजेपी का नुकसान किया। मगर उसी लाइन पर जहां पहले से हो रहा है। किसान के मुद्दे पर हरियाणा का पूरा चुनाव आ गया है। उसमें जितना नुकसान होना था सब हो गया। अब उससे ज्यादा नहीं हो सकता। मगर सैलजा ने जो कांग्रेस का नुकसान किया है वह बिल्कुल नए क्षेत्र में। दलितों के बीच। जो हरियाणा में कांग्रेस के साथ थे। उनके मन में शक के बीज डाल दिए।

दलितों का इसी तरह मायावती उपयोग करती हैं। दलित की बेटी का अपमान। दलितों के लिए कुछ ठोस करने के बदले, मोदी सरकार ने सरकारी नौकरियों में भर्ती बंद करके उनका आरक्षण का लाभ खतम कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कोटे में कोटा का फैसला देकर एक नई स्थिति को जन्म दे दिया। जिस पर बात करने के लिए आज तक मोदी सरकार ने सर्वदलीय बैठक तक नहीं बुलाई। न ही किसी पक्ष की शंकाओं का समाधान किया।

# स्वच्छ भारत अभियान का एक दशक

स्वच्छ भारत अभियान के एक दशक पूरे हो गए हैं। इस दौरान स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। ऐसा नहीं कि भारत में स्वच्छता की अवधारणा नहीं रही है। भारत के प्राचीन ग्रंथ,सामाजिक व्यवस्था और मंदिर संस्कृति की परंपराएं स्वच्छता की भारतीय धारा की गवाह हैं। साल 1901 के कोलकाता के कांग्रेस अधिवेशन में दक्षिण अफ्रीका से हिस्सा लेने पहुंचे गांधी को अजीब अनुभव हुआ। प्रतिनिधियों को ठहरने वाले शिविर में सफाई की हालत बेहद खराब थी। कई प्रतिनिधि ऐसे थे, जिन्होंने उन कमरों के बाहर बने बरामदे का ही शौचालय के रूप में इस्तेमाल कर दिया। दुर्गंध और गंदगी के बावजूद दूसरे प्रतिनिधियों को इस पर कोई ऐतराज नहीं था। लेकिन गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। तब तक वे पश्चिमी वेशभूषा में रहते थे। अधिवेशन में सहयोग के लिए तैनात स्वयंसेवकों से गांधी जी ने स्वच्छता की बाबत बात की, तो उन्होंने टका–सा जवाब दे दिया था, ष्यह हमारा काम नहीं है, यह सफाईकर्मी का काम है।ष गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। उन्होंने अपने कपड़े उतारे, झाड़ू मंगवाई और वहां मौजूद गंदगी साफ को साफ करने में जुट गए। सफाई के बाद वे फिर से कोट–पैंट में आ गए। भारतीय राजनीति में तब तक गांधी का सितारा बहुत नहीं चमक पाया था। लेकिन उन्होंने राजनीति की दुनिया में सफाई के विचार का बीज रोप दिया। कोलकाता अधिवेशन में दिखी गंदगी का ही असर कह सकते हैं कि बाद के दिनों में उन्होंने विचार दिया, स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है। गांधी के रचनात्मक शिष्यों यथा बिनोबा, ठक्कर बापा आदि ने स्वच्छता और सफाई के इस गुर को बहुत आगे बढ़ाया। लेकिन जिसे मुख्यधारा की राजनीति कहते हैं, उसने स्वच्छता के गांधीवादी दर्शन को उसी रूप में बाद में शायद ही स्वीकार किया। इन संदर्भों में देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले राजनेता हैं, जिन्होंने अहम जिम्मेदारी संभालते हुए स्वच्छता और शौचालय क्रांति की बात की। शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कोई प्रधानमंत्री लालकिले की प्राचीर से शौचालय क्रांति की बात करेगा। लेकिन मोदी ने ना सिर्फ शौचालय क्रांति की, बल्कि इसके डेढ़ महीने बाद गांधी जी की जयंती पर 2 अक्टूबर 2014 को खुद ही फावड़ा और झाड़ू उठा लिया। इसके साथ ही देश के सामने एक नया अभियान आया, 'स्वच्छ भारत अभियान'। स्वच्छ भारत अभियान के एक दशक पूरे हो गए हैं। इस दौरान स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। ऐसा नहीं कि भारत में स्वच्छता की अवधारणा नहीं रही है। भारत के प्राचीन ग्रंथ,सामाजिक व्यवस्था और मंदिर संस्कृति की परंपराएं स्वच्छता की भारतीय धारा की गवाह हैं। यह कह सकते हैं कि बाद के दिनों में भारतीय स्वच्छता सिर्फ व्यक्तिगत स्वच्छता तक सीमित होकर रह गई थी। भारतीयों के एक बड़े वर्ग की सोच सफाई को लेकर ज्यादा निजी थी। शायद ही कोई भारतीय घर होगा, जहां रोजाना झाड़ू ना लगती हो। स्वच्छ भारत अभियान के पहले होता यह था कि झाड़ू लगती तो थी,लेकिन कूड़ा गली में या सड़क पर या सार्वजनिक जगहों पर फेंक दिया जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के शुरू करने के बाद इस सोच में बदलाव आया है। वैसे मानव स्वभाव कोई बिजली का बल्ब नहीं है कि बटन दबाया और जल या बुझ जाएगा। उसमें बदलाव आने में देर होती है। बदलाव को वह जल्दी से स्वीकार नहीं कर पाता। इसीलिए स्वच्छता के मोर्चे पर हम देखते हैं कि सौ प्रतिशत सफलता हासिल नहीं की जा सकी है। रेलवे लाइनों के किनारे पड़े कूड़े के अंबार अब भी बने हुए हैं। लेकिन स्वच्छ भारत अभियान के दस वर्षों में यह सोच जरूर विकसित हुई है कि निजी ही नहीं, सार्वजनिक स्वच्छता जरूरी है। नई पीढ़ी के बच्चे तो अब बड़े–बड़ों को सार्वजनिक गंदगी के लिए टोक देते हैं। स्वच्छता को लेकर महात्मा गांधी ने कहा था, ष्मैं किसी को भी अपने दिमाग से गंदे पैर लेकर नहीं गुजरने दूँगा।ष गांधी के इस दर्शन पर भी चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान शुरू करते हुए कहा था, श्न मैं गंदगी करूंगा, न मैं गंदगी करने दूंगा।श सार्वजनिक समारोहों में उनकी यह सोच अक्सर परिलक्षित होती है। किताब आदि के विमोचन के दौरान रैपर आदि को वे मोड़कर अपनी जेब में रख लेते हैं। इससे देश के अधिसंख्य लोगों ने प्रेरणा ली है और उस पर अमल भी कर रहे हैं।स्वच्छता अभियान की सफलता ही कहेंगे कि देश के बारह करोड़ घरों में शौचालय बन चुके हैं। स्वच्छ भारत अभियान की एक दशक की यात्रा में न केवल शौचालय कवरेज में भारी वृद्धि हुई है, बल्कि खुले में शौच की कुप्रथा तकरीबन खत्म हो गयी है। स्वच्छता का मतलब सिर्फ सफाई ही नहीं, खाने–पीने की चीजें भी स्वच्छ होनी चाहिए। इस लिहाज से हर घर नल जल योजना को भी स्वच्छ भारत अभियान से जोड़ सकते हैं। जिसके तहत पाइप से स्वच्छ पानी की आपूर्ति की कवरेज दस सालों में 16 प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत हो गई है। देश में धुएं के प्रदूषण से महिलाओं को रोजाना दो–चार होना पड़ता था। उज्ज्वला योजना के जरिए इस दिशा में स्वच्छ भारत अभियान को सफल कहा जा सकता है। इस योजना के तहत 11 करोड़ घरों में रसोई गैस का कनेक्शन पहुंच चुका है।

स्वच्छ भारत अभियान से स्वास्थ्य के मोर्चे पर बड़ा बदलाव आया है। हालही में विश्व प्रसिद्ध पत्रिका नेचर में स्वच्छ भारत अभियान के बाद आए भारत में बदलावों के शोध पर आधारित एक लेख छपा था। इससे पता चलता है कि स्वच्छ भारत अभियान गेम चेंजर बन गया है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित आलेख कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध पर आधारित है। जिससे पता चलता है कि खुले में शौच की कुरीति खत्म होने के बाद और शौचालय क्रांति से देश में शिशु मृत्यु दर में कमी आई है। शोध पत्र में कहा गया है कि खुले में शौच की कुरीति के खत्म होने से हर वर्ष करीब 60 हजार से 70 हजार शिशुओं की मृत्यु को रोकने में सफलता मिली है। शोध पत्र के अनुसार, वर्ष 2000 से 2015 की तुलना में वर्ष 2015 और 2020 के बीच शिशु मृत्यु दर एक तिहाई रह गई...इसके आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 और 2015 के बीच शिशु मृत्यु दर में जहां तीन प्रतिशत वार्षिक की गिरावट रही, वहीं बाद में यह

गिरावट आठ से नौ प्रतिशत ज्यादा हुई। इसी तरह 2000 और 2015 के बीच की तुलना में बाद के वर्षों में शिशु मृत्यु दर में 10 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। इस लेख मुताबिक, साल 2014 में शिशु मृत्यु दर जहां 39 अंक थी, वह साल 2020 में घटकर 28 रह गई। स्वच्छता अभियान की सफलता की कहानी विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट भी करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, स्वच्छता अभियान के चलते 2014 से 2019 के बीच डायरिया से होने वाली मौत के करीब तीन लाख मामले कम हुए, जो इसके पहले की अवधि में ज्यादा थे। इसी रिपोर्ट के मुताबिक, खुले में शौच की कुरीति खत्म होने से हर परिवार के स्वास्थ्य पर होने वाले करीब 50 हजार रूपए सालाना के खर्च की बचत हुई है। इसके साथ ही भूजल की गुणवत्ता भी पहले की तुलना में बेहतर हुई है। शौचालय क्रांति के चलते अब करीब 93 प्रतिशत महिलाएं अपने घरों में ज्यादा सुरक्षित महसूस करती हैं। क्योंकि अब उन्होंने शौच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ा। स्वच्छ भारत अभियान साल 2020 से संपूर्ण स्वच्छता अभियान में तब्दील किया जा चुका है। जिसके लिए एक लाख चालीस हजार करोड़ की रकम आवंटित की गई है। जाहिर है कि स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। लेकिन यह कहना अभी जल्दीबाजी होगी कि देश ने इस दिशा में सबकुछ हासिल कर ही लिया है। लेकिन अब भी देश के कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां का मानस सार्वजनिक स्वच्छता को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध और सचेत नहीं हो पाया है। जरूरी इस वर्ग को पूरी तरह प्रतिबद्ध और सचेत करना है। स्वच्छता में ढिलाई बरतने वाले तंत्र के दंडात्मक विधान की व्यवस्था करनी होगी, तभी आज का भारत प्राचीन भारत की तरह पूरी तरह स्वच्छ हो पाएगा।

# दवा कारोबार की अनैतिकता से बढ़ता जीवन संकट

आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दवाइयों के क्वालिटी टेस्ट में 53 दवाओं को फेल कर दिया गया है। उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। इन दवाओं में बीपी, डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की कुछ दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा सीडीएससीओ ने जिन दवाओं को गुणवत्ता में फेल किया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल, पेन किलर डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। निश्चित ही यह खबर परेशानी एवं चिन्ता में डालने वाली है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन–डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन–सी, एंटी–एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं। रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन–रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह–तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे है। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियें की दवाएं भी शामिल है।

# एक देश–एक चुनाव

15 अगस्त को लाल किले से अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि देश में विधानसभाओं, लोकसभा और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ होने चाहिए । इससे समय और पैसे की बचत होगी । बात तो बिल्कुल ठीक लगती है परन्तु अनेक विपक्षी पार्टियां इस का विरोध कर रही हैं । असल में चुनाव के दौरान आचार संहिता लग जाती है जिस कारण केन्द्र और सम्बन्धित राज्यों के विकास काम रुक जाते हैं । सरकारी कोई लाभकारी नीति की घोषणा नहीं कर सकती । इस कारण गरीब पक्ष को लाभ नहीं मिलता । फिर चुनाव कराने में करोड़ों रुपये खर्च होते हैं । उसकी भी बचत होगी । असल में सन् 1952 से लेकर 1967 तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हुये थे । बाद में विधानसभाएं भंग होने के कारण या राज्यपाल शासन लग जाने से यह व्यवस्था बिगड़ गई । यूं लोकसभा के चुनाव भी कई बार पांच साल में दो या तीन बार कराने पड़े थे ?। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार एक साल में गिर गई तो फिर चुनाव कराने पड़े । 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी ने जल्दी इस्तीफा दे दिया तो पांच साल से पहले चुनाव करवाने पड़े । पैसे के अलावा संसाधनों का बेहतर प्रयोग होगा यदि राज्य और केन्द्र के चुनाव एक साथ हों ।

असल में इस समय देश में अट्ठाईस राज्य और आठ केन्द्र शासित प्रदेश हैं । केवल दो केन्द्र शासित प्रदेशों में चुनी हुई सरकारें हैं –– दिल्ली और पांडिचेरी । इस प्रकार कुल 30 विधानसभाएं हैं । इसमें 15 राज्यों में भाजपा की सरकार है । गठबन्धन का मुख्यमंत्री है । शेष 13 राज्यों में भाजपाई मुख्यमंत्री हैं । इसमें भी कुछ राज्यों में भाजपा अपनी भागीदारी मानती है । असल में 1967 तक बहुत सी रीजनल पार्टियां हारी नहीं थी । आज स्थिति यह है कि अनेक राज्यों में उनकी अपनी रीजनल पार्टी का वर्चस्व है जैसे पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, तमिलनाडु में डी.एम.के. । उड़ीसा में बीजू जनता दल । यद्यपि इस बार वह हार गया । उत्तर पूर्व के राज्यों में अपनी–अपनी पार्टियां हैं । आन्ध्रप्रदेश में तेलुगू देशम्, दिल्ली में आम आदमी पार्टी ।

अभी देखा यह गया है कि वोटर केन्द्र के लिए भाजपा को चुनता है, परन्तु राज्य में स्थानीय पार्टी को चुनता है । एक साथ चुनाव होने पर रीजनल पार्टी का प्रभाव कम हो जायेगा, यह आप विपक्षी दल लगाते हैं । यह भी कहा जा रहा है कि चुनाव आयोग निष्पक्षता से काम नहीं करता । पिछली बार हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव एक साथ हुए थे । इस बार हरियाणा चुनाव के साथ महाराष्ट्र के चुनाव नहीं हो रहे हैं यद्यपि हरियाणा की तुलना में महाराष्ट्र की विधानसभा का कर्यकाल 20 दिन बाद समाप्त हो रहा है । असल में महाराष्ट्र में इस बार भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनायेगी तो शिंदे का क्या होगा? इतने दिन तक बहुत सफल मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री बने रहे । क्या अगले मंत्रिमंडल में शिंदे उपमुख्यमंत्री बनना चाहेंगे । असल में अजीत पवार ने दोनों दरवाजे खोल रखे हैं । वे फिर शरद पवार से मिल सकते हैं । उन्होंने सार्वजनिक वक्तव्य दिया है कि अपनी पत्नी को अपनी बहन के खिलाफ लड़ाकर उन्होंने गलती की है । परन्तु शिंदे अब फिर से पुरानी शिवसेना में नहीं जा सकते । और अपने अकेले दम पर वे इतने विधायक नहीं चुन सकते कि बिना भाजपा की मदद के वे मुख्यमंत्री बनें । यही दुविधा भाजपा के सामने हैं । सीटों के बंटवारे के बाद भाजपा अकेले बहुमत नहीं ला सकती । विपक्षी दलों का कहना है कि चुनाव आयोग झारखण्ड, महाराष्ट्र, हरियाणा, और कश्मीर में जब एकसाथ चुनाव नहीं करा सकता तो पूरे देश में एक साथ चुनाव करायेगा ।

पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने कई विदेशों का उल्लेख किया है कि वहां सभी निकायों के चुनाव एक साथ होते हैं । परन्तु इसमें कुछ देश भारत के एक जिले के बराबर हैं । फिर वहां वोटरों में जागरूकता भी ज्यादा है । भारत में आजकल राजनीति गाली गलौज पर आ गई है । अभी आम आदमी पार्टी ने आतिशी को अगला मुख्यमंत्री चुना । इस बार भाजपा के प्रवक्ता तरह–तरह की बातें कर रहे हैं । यहां तक की आम–आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल भी मुखर हो गई हैं । असल में अपनी पार्टी के खिलाफ बोलने से पहले उन्हें राज्यसभा से त्यागपत्र देना चाहिये । परन्तु भारतीय राजनीति में मारल कहां है? पिछले दो चुनाव में दिल्ली की विधानसभा में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई और भाजपा एक बार तीन सीटें और दूसरी बार सात सीटें जीती हैं । पश्चिम बंगाल में भाजपा कुछ भी नहीं कर पाई है ।असल में पैसा और समय बचाना उद्देश्य है तो उद्घाटन समारोह बंद हों । स्वयं सरकार ने स्वीकारा है कि महाराष्ट्र में शिवाजी की मूर्ति के उद्घाटन में एक करोड रुपये खर्च हुए । जब प्रधानमंत्री रेल को हरी झंडी दिखलाते हैं तो लाल कारपेट बिछता है ।

फिर सांसद और विधायक को किस बात की पेंशन? क्या यह नौकरी है । असल पुष्पहार, सजावट, मंच निर्माण, मंत्रियों के दोरों आदि में करोड रुपये खर्च होते हैं । आखिर कितने दिन संसद और विधानसभाएं चलती हैं? असल में भारत में यह संसदीय प्रणाली ही ठीक नहीं है । गांधी जी ने ब्रिटिश पार्लियामेंट को श्बेसवाश कहा था । इसका हिन्दी अर्थ डिक्शनरी में देख लें ।

# आज का राशिफल

मेष राशि

आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरीपेशा लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है , उन्हें काम से जुड़ी कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी।

वृष राशि–

आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज परिवार में हर्षोल्लास का माहौल बना रहेगा। आज आपके दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहने से खुशियाँ बढ़ेगी।

मिथुन राशि–

आज का आज का दिन आपके लिए मिला–जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच समंजास्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नये तरीकों पर विचार करेंगे। आज व्यवसायिक गतिविधियों में समय अनुसार परिवर्तन करने की जरूरत है।

कर्क राशि–

आज का दिन बढिया रहने वाला है। आज व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। आज लवमेट लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे तो एक–दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा। आज ऑफिशियल यात्रा करना आपकी तरक्की में सहायक होगा।

सिंह राशि–

आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपकी बेहतरीन कार्य प्रणाली के अनुकूल परिणाम सामने आएंगे। निश्चित ही सफलता मिलेगी।

कन्या राशि–

आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी चल रही समस्याओं से कुछ राहत मिलेगी और आप खुद को ऊर्जावान और सकारात्मक महसूस करेंगे।

तुला राशि –

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलोगी। आज आप जो भी काम करेंगे,वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। कोई व्यक्ति आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देगा।

वृश्चिक राशि– आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस–पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

धनु राशि– आज आपका दिन उल्लास से भरा रहने वाला है।आज छात्रों को अपने करियर से संबंधित कोई खुशखबरी मिलने की संभावना है। आज रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ नयापन आ सकता है। इस राशि के बच्चों को उनके शिक्षकों से तारीफ मिलेगी। रिश्तो की गरिमा बनाकर रखने से परिवार में भी सुख शांति बनी रहेगी।

मकर राशि–

आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। आज उपहारों का आदान–प्रदान करना संबंधों में मधुरता लाएगा।

कुंभ राशि–

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। यात्रा पर भी जाने के योग बन रहे हैं, यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी।

मीन राशि– आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपके व्यापार में सामान्य रूप से बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक–झोंक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगा।

# विद्रोहियों ने अमेरिका निर्मित एक और ड्रोन को मार गिराने का दावा किया

हुती विद्रोहियों ने दावा किया कि उन्होंने देश के ऊपर अमेरिका निर्मित एक और 'एमक्यू–9 रीपर' ड्रोन को मार गिराया। उन्होंने वीडियो भी साझा किया जिसमें कथित तौर पर सतह से हवा में मार करने वाली एक मिसाइल ड्रोन को निशाना बनाती दिखती है। अमेरिकी सेना ने इस बारे में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। दुबई । यमन के हुती विद्रोहियों ने दावा किया कि उन्होंने देश के ऊपर अमेरिका निर्मित एक और 'एमक्यू–9 रीपर' ड्रोन को मार गिराया। उन्होंने वीडियो भी साझा किया जिसमें कथित तौर पर सतह से हवा में मार करने वाली एक मिसाइल ड्रोन को निशाना बनाती दिखती है। अमेरिकी सेना ने इस बारे में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। दावा ऐसे समय किया गया है जब गाजा पट्टी में इजराइल–हमास युद्ध को लगभग एक साल होने वाला है। हुती विद्रोही लाल सागर से यात्रा करने वाले जहाजों को निशाना बनाते रहे हैं और अमेरिका के नेतृत्व वाले हवाई हमलों ने यमन में हुती की स्थिति को प्रभावित किया है। उन्होंने इजराइल को निशाना बनाकर मिसाइलें

दागना जारी रखा है, जिसके जवाब में इस सप्ताह के अंत में बंदरगाह शहर होदेइदा पर इजराइल ने हवाई हमले किए। हुती संचालित प्रसारक अल–मसीरा ने 'एमक्यू–9' को मार गिराने का दावा किया। इससे संबंधित एक वीडियो ऑनलाइन प्रसारित हुआ जिसमें कथित तौर पर मिसाइल यमन के सादा प्रांत के ऊपर ड्रोन से टकराती दिखी। ऑनलाइन आई एक तस्वीर में 'एमक्यू–9' से मिलता–जुलता मलबा दिखा। अमेरिकी सेना ने एसोसिएटेड प्रेस की टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। इससे पहले, अमेरिकी सेना ने स्वीकार किया था कि हुती विद्रोहियों ने सितंबर में दो 'एमक्यू–9' को मार गिराया।

# पिता की थी सब्जी की दुकान, बेटा ने खड़ा कर दिया खतरनाक आतंकी संगठन, हिजबुल्ला के नेता हसन नसरल्लाह की कहानी

इजरायल हिज्बुल्लाह के टॉप कमांडरों को चुन–चुनकर खत्म कर रहा है। शुक्रवार को हसन नसरल्ला को मारने के बाद अब इजराइल की सेना ने नबील कौक को मार गिराने की घोषणा की है। हसन नसरल्ला को इजराइल ने पिछले हफ्ते एक हवाई हमले में मार डाला था। नसरल्ला 32 वर्षों से अधिक समय तक ईरान समर्थित सशस्त्र समूह और राजनीतिक दल हिजबुल्लाह का नेतृत्व कर रहा था। इजराइल ने नसरल्लाह को आतंकवादी माना, और हिज्बुल्लाह को कई देशों ने आतंकवादी संगठन नामित किया है। नौ बच्चों में सबसे बड़े नसरल्लाह का जन्म 1960 में हुआ था और वह बेरूत के गरीब पूर्वी बुर्ज हम्मौद पड़ोस में पले–बढ़े, जहां कई ईसाई अर्मेनियाई, ड्रूस, फिलिस्तीनी और शिया रहते थे। उनके पिता अब्दुल करीम, फल और सब्जियों के विक्रेता थे, दक्षिणी लेबनान के बजौरियेह गांव से आए थे। परिवार विशेष रूप से धर्मनिष्ठ नहीं था, लेकिन नसरल्लाह को किशोरावस्था में ही धर्म में रुचि हो गई। वह ईरानी–लेबनानी

मौलवी मूसा अल–सद्र की शिक्षाओं से प्रभावित थे, जिन्होंने अमल नामक शिया राजनीतिक दल की स्थापना की थी।हिज्बुल्लाह का चीफ हसन नसरल्लाह था। हसन न सिर्फ हिज्बुल्लाह का प्रमुख नेता था, बल्कि मिडिल ईस्ट के सबसे प्रभावशाली शख्सियतों में से एक था। उसने हिज्बुल्लाह को एक शक्तिशाली सैन्य संगठन के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। वह ईरान का निकट सहयोगी माना जाता था और हिज्बुल्लाह के समर्थकों के बीच उसका काफी सम्मान था। हसन नसरल्लाह का जन्म 1960 में बेरूत में हुआ था। पिता अब्दुल करीम सब्जी की छोटी दुकान चलाते थे। नसरैल्लाह 1970 के दशक में शिया मिलिशिया संगठन अमल में शामिल हो गया और इस तरह राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। 1982 में वह हिज्बुल्लाह का हिस्सा बना। 1992 में जब अब्बास अल–मुसावी मारा गया तो नसरल्लाह 32 की उम्र में हिज्बुल्लाह का नेता बन गया। नसरल्लाह की सोच शिया इस्लाम और इस्राइल के खिलाफ संघर्ष पर आधारित है। उसने 1985 में श्ओपन लेटरश में अमेरिका और सोवियत संघ को इस्लाम का शत्रु बताया था, और इस्राइल को श्मुस्लिम भूमि पर कब्जा करने वालाश कहा था। वह इस्राइल का विनाश चाहता था। नसरल्लाह ने हिज्बुल्लाह को सैन्य और राजनीतिक ताकत में बदलने में बेहद अहम भूमिका निभाई। उसके नेतृत्व में हिज्बुल्लाह ने 2000 में इस्राइल को दक्षिणी लेबनान से पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। 2006 के इस्राइल–हिज्बुल्लाह वॉर में भी उसकी निर्णायक भूमिका दिखी थी, जिसमें उसने इस्राइल के खिलाफ बड़ी सैन्य कार्रवाइयां की। नसरल्लाह ने हिज्बुल्लाह को ईरान से हथियार और मिसाइलें दिलाने में भी भी मदद की।टारगेट पर क्यों था? हिज्बुल्लाह ने इस्राइल के खिलाफ अब तक कई हमले किए है। 2023 में इस्राइल–हमास संघर्ष के दौरान हिज्बुल्लाह ने भी इस्राइल पर हमले किए।

इस्राइल भी कई बार हिज्बुल्लाह पर हमले किए। इनमें 1992 में इस संगठन के नेता अब्बास अल–मुसावी की हत्या भी शामिल है। चूंकि नसरल्लाह के नेतृत्व में हिज्बुल्लाह अधिक ताकतवर और इस्राइल के लिए बड़ा खतरा होता जा रहा था, इस्राइल ने नसरल्लाह को टारगेट किया।

# हिजबुल्लाह चीफ की मौत पर जल उठा पूरा पाकिस्तान, अमेरिकी दूतावास की ओर हिंसक भीड़...

हिजबुल्लाह को लेकर पाकिस्तान में मातम पसरा हुआ है। पाकिस्तानी मीडिया इजरायल के रवैये पर सवाल उठा रही है। लेकिन साथ ही इस्लामिर देशों की तरफ से कोई एक्शन नहीं लेने पर नाराजगी भी जाहिर की है। पाकिस्तान में नसरल्लाह की मौत पर बवाल मचा हुआ है। करांची में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। वहीं प्रदर्शनकारी अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की ओर मार्च करने का प्रयास करते नजर आए। लेकिन पुलिस द्वारा रोकने पर हंगामा भी हुआ। एक तरफ प्रदर्शनकारी पथराव करते नजर आए। दूसरी तरफ से आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया जा रहा है। आतंकी के लिए पाकिस्तान की हमदर्दी इतनी बढ़ गई कि वहां कि आवाम अब अपनी ही पुलिस पर पथराव करने पर आमदा हो गई। क्या इस्लामाबाद क्या करांची नसरल्लाह की मौत पर देखते ही देखते पाकिस्तान जलने लगा। ऐसा लग रहा है कि मानो हिजबुल्लाह के नसरल्लाह की मौत लेबनान में नहीं इजरायल ने पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक कर दिया हो। हिजबुल्लाह को लेकर पाकिस्तान में मातम पसरा हुआ है। पाकिस्तानी मीडिया इजरायल के रवैये पर सवाल उठा रही है। लेकिन साथ ही इस्लामिर देशों की तरफ से कोई एक्शन नहीं लेने पर नाराजगी भी जाहिर की है। मामला शिया सुन्नी का भी है। मीडिल ईस्ट में जहां एक तरफ सऊदी अरब, यूएई जैसे देश सुन्नी बहुल हैं। वहीं दूसरी तरफ लेबनान, ईरान शिया बहुल है। यही कारण है कि सऊदी अरब अक्सर हमास और हिजबुल्लाह पर हुए हमले पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचता

है। जिस पर पाकिस्तानी आवाम काफी नाराज है। इजरायल के खिलाफ इस्लामिक देशों की एकजुटता की तो बात हो रही है, लेकिन पाकिस्तान इस बात पर भी डरा हुआ है कि लेबनान जैसा अटैक कहीं उस पर न हो जाए। उसके देश में भी पेजर, वॉकी–टॉकी और फोन फटने न लग जाए। ये डर केवल पाकिस्तान सरकार में नहीं, वहां की आवाम को भी है। पाकिस्तान को इस बात का भी डर है कि भारत और इजरायल की दोस्ती से उसे नुकसान न हो जाए। वहीं यूनाइटेड स्टेट में इजरायल ने भारत की तारीफ की है। जिससे पाकिस्तान को और भी मिर्ची लग गई है। हिजबुल्लाह पर पाकिस्तान की जनता में आक्रोश है। उनकी मांग है कि कम से कम ओआईसी के देश मिलकर न्यू वर्ल्ड ऑर्डर में इजरायल का बॉयकाट करें। जिससे इजरायल को सबक सिखाया जा सके।

# पाताल में 50 फीट नीचे बैठा था नरसल्लाह,के जरिए मोसाद ने असंभव को संभव कर दिखाया

दुनिया हैरान है कि इजरायली हमलों में सिर्फ और सिर्फ हिजबुल्लाह चीफ ही कैसे मारा गया। आम जनता को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा। यानी इजरायल ने सटीक इंटेलिजेंस के साथ हमला किया कि सिर्फ आतंकी ही टारगेट हुए। दुनिया के सबसे बड़े आतंकी संगठन हिजबुल्लाह को इजरायल ने उसका सबसे बड़ा घाव दिया था। इजरायल ने हिजबुल्लाह के चीफ कमांडर हसन नसरल्लाह को एयर स्ट्राइक में मार दिया। बेरूत में हुए हवाई हमले के दौरान हिजबुल्लाह के हेड क्वार्टर को निशाना बनाया गया। हमले में हसन नसरल्लाह समेत कुछ और हिजबुल्लाह कमांडरों की मौत हो गई। हमले की वजह से हिजबुल्लाह और ईरान में मातम पसरा है। लेकिन दुनिया हैरान है कि इजरायली हमलों में सिर्फ और सिर्फ हिजबुल्लाह चीफ ही कैसे मारा गया। आम जनता को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा। यानी

इजरायल ने सटीक इंटेलिजेंस के साथ हमला किया कि सिर्फ आतंकी ही टारगेट हुए। बेरूत में इजरायल ने ताबड़तोड़ हमला किया। जब इन धमाकों का धुंआ छटो तो पता चला कि हसन नसरल्लाह समेत लेबनान में हिजबुल्लाह की तकरीबन पूरी लीडरशिप का सफाया हो गया है। खुद इजरायली डिफेंस फोर्स ने इसकी पुष्टी करते हुए बताया कि सैन्य अभियान का कोड नेम ऑपरेशन न्यू ऑर्डर है। हसन नसरल्लाह की मौत के बाद कुछ तस्वीरें भी वायरल हुई। एक में बेंजामिन नेतन्याहू प्लेन के अंदर फोन पर बात करते नजर आते हैं। दावा है कि यही वो वक्त जब नेतन्याहू ने बेरूत में हसन नसरल्लाह और हिजबुल्लाह हेडक्वार्टर पर हमले का ऑर्डर दिया था। एक तस्वीर मेंनेतन्याहू फोन पर बात करते नजर आते हैं। बताया जाता है कि ये फोन यूएस में नेतन्याहू को ऑपरेशन का नतीजा बताने के लिए आया था। यानी हसन नसरल्लाह की मौत की पुष्टि हो गई थी। हसन नसरल्लाह हिज्बुल्लाह की ताकत था। इस बात को हिज्बुल्लाह और इस्राइल दोनों अच्छी तरह जानते थे। इसलिए, जहां एक तरफ हिज्बुल्लाह अपने नेता को बचाने के लिए तमाम कोशिशें करता रहा, वहीं इस्राइल उसे मारने के लिए तरह–तरह की रणनीति बनाता रहा। न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, नसरल्लाह को इस्राइल से खतरे को देखते हुए वह कई सालों से किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर नहीं आया था। नसरल्लाह यहां एक रिहायशी इमारत के नीचे 50 फीट से ज्यादा गहराई में बने बंकर में बैठा था। नसरल्लाह अनाम जगह से अपने विडियो जारी करता था। बावजूद, इसके इस्राइल ने को बेरूत में श्35 विमानों से टन के 85 बम गिराए। इस नसरल्लाह समेत हिज्बुल्लाह के अन्य लीडर बेरूत के दहियेह स्थित अपने हेड क्वॉर्टर में मीटिंग कर रहे थे, जिसकी रीयल टाइम जानकारी इस्राइल को थी। इजरायल की एयर फोर्स के कहा कि पायलटों को उड़ान कुछ समय पहले ही लक्ष्य जानकारी दी गई थी और वे समझ गए क्या करने जा रहे हैं। रीयल इंटलेजिंस से यह संभव हुआ।

# अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में 17 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो ।

अपने जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने के आरोप में श्रीलंका की नौसेना ने भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी नौकाएं जब्त कर लीं। अब इन 17 मछुआरों को मिला कर इस साल द्वीप राष्ट्र में ऐसी घटनाओं में पकड़े गए भारतीय नागरिकों की संख्या 413 हो गई है। कोलंबो । श्रीलंका की नौसेना ने अपने जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने के आरोप में 17 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी नौकाएं जब्त कर लीं। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी देते हुए बताया गया है कि इन 17 मछुआरों को मिला कर इस साल द्वीप राष्ट्र में ऐसी घटनाओं में पकड़े गए

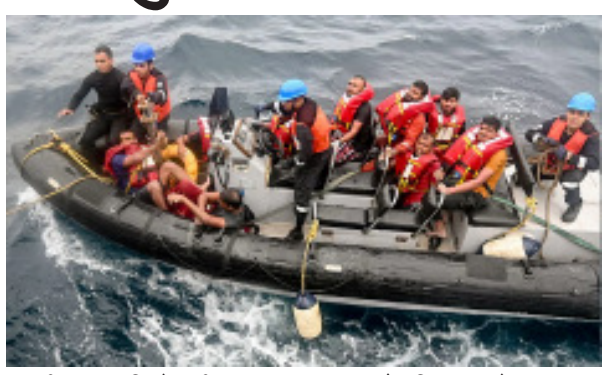

भारतीय नागरिकों की संख्या 413 हो गई है। श्रीलंकाई नौसेना ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मछुआरों को गिरफ्तार किया गया और रविवार को मन्नार के उत्तर में उनकी दो नौकाएं जब्त की गईं।विज्ञप्ति के अनुसार, नौसेना ने भारतीय मछुआरों को पकड़ने के लिए ''विशेष अभियान'' चलाया। इसमें कहा गया है कि पकड़े गए 17 मछुआरों को तलाईमन्नार पियर ले जाया गया और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें मन्नार मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा। बयान में कहा गया है कि श्रीलंकाई नौसेना ने ''2024 में अब तक द्वीप के जलक्षेत्र में मछली पकड़ने वाली 55 भारतीय नौकाओं को और 413 भारतीय मछुआरों को पकड़ा है और उन्हें कानूनी कार्रवाई के लिए अधिकारियों को सौंप दिया है।'' मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में एक विवादास्पद मुद्दा है। श्रीलंकाई जलक्षेत्र में कथित रूप से अवैध तरीके से प्रवेश करने के मामलों में श्रीलंकाई नौसेना के कर्मी पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी करते हैं और उनकी नौकाओं को जब्त कर लेते हैं। पाक जलडमरूमध्य, तमिलनाडु को श्रीलंका से अलग करने वाली पानी की एक संकरी पट्टी है, जो दोनों देशों के मछुआरों के लिए मछली पकड़ने का एक समृद्ध क्षेत्र है। दोनों देशों के मछुआरों को अनजाने में एक–दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के लिए अक्सर गिरफ्तार किया जाता है।

# खुद को बताता है पैगंबर मोहम्मद का वंशज, सुलेमानी से है खास कनेक्शन, हिजबुल्ला का नया चीफ और भी है खतरनाक!

कुछ रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है कि सफीद्दीन को हिजबुल्लाह के चीफ की कमान सौंप दी गई है। सफीद्दीन नसरल्लाह और नईम कासिम के बाद के टॉप तीन नेताओं में शामिल है। इजरायली हमले में हिजबुल्लाह के कई बड़े नेता मारे गए। इसमें हिजबुल्लाह का चीफ हसन नसरल्लाह भी शामिल था। हसन नसरल्लाह के मारे जाने के बाद हिजबुल्लाह के नए चीफ यानी इस संगठन के नए कमांडर को लेकर चर्चाएं तेज हो गई। नसरल्लाह के साथ कमांडर अली कराकी भी मारा गया, जो नया लीडर हो सकता था। एक्सपर्ट का कहना है कि अब हिज्बुल्लाह की एग्जिक्यूटिव काउंसिल का चीफ हाशेम साफीद्दीन नसरल्लाह की जगह ले सकता है, जो उसका चचेरा भाई है। ये हसन नसरुल्लाह के तरह की मौलवी है। कुछ रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है कि सफीद्दीन को हिजबुल्लाह के चीफ की कमान सौंप दी गई है। सफीद्दीन नसरल्लाह और नईम कासिम के बाद के टॉप तीन नेताओं में शामिल है। कौन है नया हिजबुल्ला चीफ1964 में दक्षिणी लेबनान में जन्मा हाशेम सफीद्दीन शिया मौलवी और हिजबुल्ला का वरिष्ठ अधिकारी रहा है। इसके बारे में कहते हैं कि हाशेम खुद को पैगंबर मोहम्मद का वंशज बताता है। इसे यूएस स्टेट डिपार्टमेंट ने 2017 में आतंकवादी घोषित किया था। हाशेम के भा।णों में हमेशा इजरायल, अमेरिका और उसके मित्र देश निशाने पर रहे हैं। वो खासकर फिलिस्तीन के दुश्मनों को

मिट्टी में मिला देना चाहता है। हाशेम के बारे में कहा जाता है कि उसने सीरियो में कई बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया है। उसके ईरान से भी अच्छे रिश्ते हैं। बेटे की शादी ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के पूर्व कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी की बेटी से हुई हिजबुल्ला का एक और कमांडर देरइजरायल की सेना ने न कहा है कि उसने एयर स्ट्राइक में हिज्बुल्लाह के एक और हाई रैंकिंग अधिकारी नबील कौक को मार गिराया। सेना ने कहा कि वह हिज्बुल्लाह की सेंट्रल काउंसिल का डिप्टी हेड था। ऐसे में सवाल यह है कि क्या हिज्बुल्ला की मिसाइलों का खतरा समाप्त करने के बाद इस्राइल अपने सैनिकों को लेबनान में घुसने का आदेश देता है। अगर ऐसा हुआ तो यह एक और लंबी लड़ाई की शुरुआत साबित हो सकती है।

# अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी को कैबिनेट में शामिल कर अपनी स्थिति को मजबूत किया

यरूशलम । प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने गठबंधन का विस्तार करते हुए और सरकार में अपनी पकड़ मजबूत करते हुए अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी गिदोन सार को अपने मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया। वे उस सुरक्षा कैबिनेट में शामिल होंगे जिस पर पश्चिम एशिया में इजराइल के शत्रुओं के खिलाफ जारी युद्ध के प्रबंधन की निगरानी है। यरूशलम । इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने गठबंधन का विस्तार करते हुए और सरकार में अपनी पकड़ मजबूत करते हुए अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी गिदोन सार को अपने मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया। नेतन्याहू ने बताया कि समझौते के तहत, सार बिना किसी विभाग के मंत्री के रूप में काम करेंगे और उस सुरक्षा कैबिनेट में शामिल होंगे जिस पर पश्चिम एशिया में इजराइल के शत्रुओं के खिलाफ जारी युद्ध के प्रबंधन की निगरानी है। सार (57) को उम्मीद थी कि वह नेतन्याहू के एक और प्रतिद्वंद्वी एवं रक्षा मंत्री योआव गैलेंट की जगह लेंगे लेकिन इजराइल की उत्तरी सीमा पर हिजबुल्ला के साथ लड़ाई तेज होने के कारण गैलेंट फिलहाल पद पर बने रहेंगे। सार के प्रधानमंत्री के साथ तनावपूर्ण संबंध रहे हैं। वह कभी नेतन्याहू की 'लिकुड पार्टी' के उभरते सितारे थे, लेकिन चार साल पहले उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी और अपने अलग दल

का गठन किया। हाल के महीनों में सार ने कहा है कि इजराइल को हमास का विनाश होने तक लड़ना चाहिए। उन्होंने हिजबुल्ला के प्रायोजक ईरान के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की। नेतन्याहू की तरह वह भी फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना का कड़ा विरोध करते हैं। नेतन्याहू और सार ने एक संयुक्त बयान में कहा कि उन्होंने राष्ट्र की भलाई के लिए अपने मतभेदों को दरकिनार कर दिया है। सार के मंत्रिमंडल में शामिल होने से 120 सीट वाली संसद में नेतन्याहू के बहुमत वाले गठबंधन के पास कुल 68 सीट हो गई हैं।

# रावलपिंडी प्रदर्शन को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर आतंकवाद का नया मामला दर्ज

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के आह्वान पर किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद पंजाब पुलिस ने उनके खिलाफ तीन नए मामले दर्ज किए हैं। पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक पर रविवार को खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर और पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर खान के साथ आतंकवाद रोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। इस्लामाबाद । रावलपिंडी के लियाकत बाग इलाके में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी

के आह्वान पर किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद पंजाब पुलिस ने उनके खिलाफ शनिवार को तीन नए मामले दर्ज किए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री पहले से ही जेल में बंद हैं। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक पर रविवार को खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर और पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर खान के साथ आतंकवाद रोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। रावलपिंडी के न्यू टाउन और सिविल लाइंस पुलिस थानों द्वारा दर्ज की गई शिकायतों में हत्या के प्रयास, धारा 144 के उल्लंघन और अन्य आतंकवाद से संबंधित अपराधों के आरोप भी शामिल थे। आरोपों के अनुसार, एक वर्ष से अधिक समय से अदियाला जेल में बंद इमरान खान (71) ने अपने समर्थकों को राष्ट्रीय संस्थाओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए उकसाया और जेल से निर्देश जारी किए।

# कानपुर टेस्ट में केएल राहुल का बल्ला बोला, कपिल देव के खास क्लब में हुई एंट्री

बांग्लादेश टीम पहली पारी में 233 रन पर सिमट गई। जवाब में टीम इंडिया ने तूफानी शुरुआत की। सभी भारतीय बल्लेबाजों ने आते ही बांग्लादेशी गेंदबाजों को खूब परेशान किया। वहीं केएल राहुल ने भी कानपुर टेस्ट में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर के ग्रीन पार्क में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। चौथे दिन बारिश बाधा नहीं बनी, ऐसे में मैदान पर भारतीय बल्लेबाजों का बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला। बांग्लादेश टीम पहली पारी में 233 रन पर सिमट गई। जवाब में टीम इंडिया ने तूफानी शुरुआत की। सभी भारतीय बल्लेबाजों ने आते ही बांग्लादेशी गेंदबाजों को खूब परेशान किया। वहीं केएल राहुल ने भी कानपुर टेस्ट में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने भारत को तूफानी शुरुआत दिलाई। इसके बाद शुभमन गिल और विराट कोहली ने इस सिलसिले को आगे बढ़ाया। इस बीच केएल राहुल ने 33 गेंदों में फिफ्टी जड़ी। इसके साथ ही वह दिग्गज कपिल देव के खास क्लब में शामिल हो गए। वह टेस्ट इतिहास में छठे सबसे तेज अर्धशतक जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। जबकि इस लिस्ट में टॉप पर ऋषभ पंत हैं।

# विराट कोहली ने सचिन तेंदुलकर का तोड़ा रिकार्ड, इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 27 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

कानपुर टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी की है। भारत ने महज 25 ओवर में 200 रन का आंकड़ा छू लिया। ये किसी भी टेस्ट पारी में टीम का सबसे तेज 200 रन है। इसके साथ ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। इसके अलावा भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाजी विराट कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में नई उपलब्धि हासिल की है। कानपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी की है। भारत ने महज 25 ओवर में 200 रन का आंकड़ा छू लिया। ये किसी भी टेस्ट पारी में टीम का सबसे तेज 200 रन है। इसके साथ ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। इसके अलावा भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाजी विराट कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में नई उपलब्धि हासिल की है। दरअसल, उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 27 हजार रन पूरे हो गए हैं जो कि सचिन तेंदुलकर के नाम था। भारत को तूफानी शुरुआत देते हुए सबसे तेज 50 रन भारत के लिए पूरे किए। इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी इस गति को बरकरार रखते हुए सबसे तेज 100 रन, सबसे तेज 150, सबसे तेज 200 और सबसे तेज 250 न बनाने का रिकॉर्ड बनाया। सबसे तेज 100 और

सबसे तेज 150 रन का रिकॉर्ड पहले भी भारत के ही नाम था। उसने 2023 में पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ जड़ा था। वहीं सबसे तेज 200 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था जिसे आज भारत ने तोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ 2017 में 28.1 ओवर में सिडनी मैदान पर 200 रन जड़े थे। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ 148 गेंद यानी 24.4 ओवर में 200 रन का आंकड़ा छुआ। इस दौरान विराट कोहली अर्धशतक जड़ने से चूक गए, उन्होंने 35 गेंद में 47 रन बनाए और शाकिब अल हसन के शिकार बन गए।

# क्रिकेटर हार्दिक पंड्या से अलग होने के बाद नताशा की जिंदगी में आया ये शख्स! सोशल मीडिया पर शेयर की

नताशा अपने बेटे अगस्त्य को लेकर सर्बिया गई हुईं थी। इसी दौरान हार्दिक ने दोनों के अलग होने का ऐलान किया था। नताशा अब भारत वापस आ चुकी है और हार्दिक से दूर वह सेक्का के साथ चिल कर रही हैं। दोनों कभी जिम में साथ नजर आ रहे हैं तो कभी स्वीमिंग पूल में।भारतीय क्रिकेट हार्दिक पंड्या और नताशा स्टेनकोविक के अलग होने की खबरें कई समय तक चर्चाओं में रहीं। इसके बाद हार्दिक पंड्या का नाम ब्रिटिश सिंगर के साथ जुड़ा तो अब नताशा भी एक मॉडल के साथ समय बिताती नजर आ रही हैं। दरअसल, नताशा अपने बेटे अगस्त्य को लेकर सर्बिया गई हुईं थी। इसी दौरान हार्दिक ने दोनों के अलग होने का ऐलान किया था। नताशा अब भारत वापस आ चुकी है और हार्दिक से दूर वह सेक्का के साथ चिल कर रही हैं। दोनों कभी जिम में साथ नजर आ रहे हैं तो कभी स्वीमिंग पूल में। बता दें कि, सेक्का (एलेक्जेंडर) ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया जिसमें नताशा पूल में फ्लोटर पर आराम करती नजर आ रही हैं। जबकि सेक्का पीछे से आते हैं और उन्हें गिरा देते हैं। अचानक से पानी में गिरते ही नताशा हैरान–परेशान हो गई। इस वीडियो कई लोगो खुद को कमेंट करते हुए नहीं रोक पा रहे हैं। वहीं बता दें कि, नताशा सेक्का को अपना भाई मानती हैं। वह कई मौकों पर सोशल मीडिया पर ये बता भी चुकी हैं। सेक्का भी नताशा की तरह सर्बिया के रहने वाले हैं और भारत में बतौर फिटनेस ट्रेनर और मॉल काम करते हैं।

# रोहित शर्मा ने छक्के लगाने के मामले में बनाया रिकार्ड, दुनिया के पहले ऐसे ओपनर...

रोहित शर्मा ने भले ही टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायमेंट ले लिया है, लेकिन फैंस ने उनको इसका आभास होने नहीं दिया। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में टी20 क्रिकेट जैसी पारी खेली और एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। बता दें कि, रोहित शर्मा दुनिया के पहले ऐसे ओपनर बन गए हैं, जिन्होंने अपनी पारी की पहली दो गेंदों में दो छक्के जड़े। कानपुर टेस्ट में भारत की शुरुआत बेहद शानदार रही है। वहीं रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट मैच में टी20 का तड़का लगाकर सबको हैरान कर दिया। बता दें कि, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भले ही

टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायमेंट ले लिया है, लेकिन फैंस ने उनको इसका आभास होने नहीं दिया। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में टी20 क्रिकेट जैसी पारी खेली और एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। रोहित शर्मा दुनिया के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टेस्ट पारी की पहली दो गेंदों पर दो छक्के जड़े हैं। हालांकि, वे ऐसा करने वाले पहले ओपनर हैं, जबकि तीन अन्य क्रिकेटर मध्य क्रम या निचले क्रम में खेले हैं। इनमें फोफी विलियम्स का नाम शामिल हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर भी इस लिस्ट में हैं। उमेश यादव भी ये कारनामा कर चुके हैं। विलियम्स ने 1948 में जिम लैकर के खिलाफ ये कमाल किया था, जबकि 2013 में नाथन लियोन के विरुद्ध सचिन ने दो छक्के जड़े थे। उमेश यादव ने 2019 में जॉर्ज लिंडे के खिलाफ दो छक्के जड़े थे। रोहित ने आतिशी अंदाज में बल्लेबाजी करते नजर आए। उन्होंने 11 गेंदों में 23 रनों की पारी खेली इसमें 1 चौका और 3 छक्के भी शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 209.09 का था। भले ही उनकी ये पारी छोटी थी लेकिन टीम इंडिया के लिए मजबूत शुरुआत थी।

# रोहित–जायसवाल ने टेस्ट मैच में लगाया टी20 का तड़का, भारत ने ठोका Test इतिहास का सबसे तेज शतक

वहीं बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट में भारत ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए महज 61 गेंदों में शतक जड़ दिया। ये टेस्ट क्रिकेट की किसी पारी में टीम का सबसे तेज 100 रन है। इससे पहले भी ये रिकॉर्ड भारत के नाम ही है। भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर में दूसरा और निर्णायक टेस्ट मैच खेला जा रहा है। जहां तीन दिन बारिश के कारण मैच बाधित रहने के बाद चौथे दिन बांग्लादेश ने खेल को दोबारा शुरू करते हुए ग्रीन पार्क में 233 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जिसके बाद भारत की तरफ से बल्लेबाजी करने आए कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने शानदार शुरूआत भारत को दिलाई। इन दोनों ही बल्लेबाजों ने मिलकर टेस्ट क्रिकेट में टी20 का मजा दिलाया। बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में इन दोनों ने मिलकर तीन ओर में ही 50 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। इसके बाद भारत ने इस मामले में टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाया है। फिलहाल रोहित शर्मा 11 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन उसी रफ्तार से जायसवाल और गिल ने पारी को आगे बढ़ाया। इससे पहले रोहित शर्मा और जायसवाल ने भारत को इस मामले में इंग्लैंड का वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त किया। इंग्लैंड ने इसी साल ट्रेंट ब्रिज टेस्ट में वेस्टइंडीज के खिलाफ 4.2 ओवर में 50 रन ठोके थे, भारत ने तीन ओवर में ही ये कारनामा कर इंग्लैंड का रिकॉर्ड तोड़ डाला था। वहीं टेस्ट क्रिकेट में किसी टीम द्वारा सबसे तेज पचासा रन बनाने के मामले में

तीसरे नंबर पर भी इंग्लैंड है जिसने, 1994 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 4.3 ओलर में 50 रन बनाए थे। चौथे नंबर पर भी इंग्लैंड का नाम ही आता है, जिसने 2002 में श्रीलंका के खिलाफ 5 ओवर में 50 रन ठोके थे।

वहीं बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट में भारत ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए महज 61 गेंदों में शतक जड़ दिया। ये टेस्ट क्रिकेट की किसी पारी में टीम का सबसे तेज 100 रन है। इससे पहले भी ये रिकॉर्ड भारत के नाम ही है।

# रोहित–जायसवाल ने टेस्ट मैच में लगाया टी20 का तड़का, भारत ने ठोका ज्मेज इतिहास का सबसे तेज शतक

वहीं बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट में भारत ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए महज 61 गेंदों में शतक जड़ दिया। ये टेस्ट क्रिकेट की किसी पारी में टीम का सबसे तेज 100 रन है। इससे पहले भी ये रिकॉर्ड भारत के नाम ही है। भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर में दूसरा और निर्णायक टेस्ट मैच खेला जा रहा है। जहां तीन दिन बारिश के कारण मैच बाधित रहने के बाद चौथे दिन बांग्लादेश ने खेल को दोबारा शुरू करते हुए ग्रीन पार्क में 233 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जिसके बाद भारत की तरफ से बल्लेबाजी करने आए कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने शानदार शुरूआत भारत को दिलाई। इन दोनों ही बल्लेबाजों ने मिलकर टेस्ट क्रिकेट में टी20 का मजा दिलाया। बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में इन दोनों ने मिलकर तीन ओर में ही 50 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। इसके बाद भारत ने इस मामले में टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाया है। फिलहाल रोहित शर्मा 11 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन उसी रफ्तार से जायसवाल और गिल ने पारी को आगे बढ़ाया।इससे पहले रोहित शर्मा और जायसवाल ने भारत को इस मामले में इंग्लैंड का वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त किया। इंग्लैंड ने इसी साल ट्रेंट ब्रिज टेस्ट में वेस्टइंडीज के खिलाफ 4.2 ओवर में 50 रन ठोके थे, भारत ने तीन ओवर में ही ये कारनामा कर इंग्लैंड का रिकॉर्ड तोड़ डाला था। वहीं टेस्ट क्रिकेट में किसी टीम द्वारा सबसे तेज पचासा रन बनाने के मामले में तीसरे नंबर पर भी इंग्लैंड है जिसने, 1994 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 4.3 ओलर में 50 रन बनाए थे। चौथे नंबर पर भी इंग्लैंड का नाम ही आता है, जिसने 2002 में श्रीलंका के खिलाफ 5 ओवर में 50 रन ठोके थे। सबसे तेज 100 रन वहीं बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट में भारत ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए ।

# बालों की ग्रोथ बढ़ाएगा रोजमेरी हेयर स्प्रे, स्कैल्प इंफेक्शन से मिलेगा छुटकारा

इन दिनों रोजमेरी का लड़कियां खूब इस्तेमाल कर रही हैं. ये एक एक हर्ब है जो कि बालों और स्किन के लिए नेचुरल उपायों के रूप में इस्तेमाल होती है. आइए जानते हैं घर पर इसका हेयर स्प्रे कैसे बनाएं.

रोजमेरी हेयर स्प्रे बनाना बेहद आसान

रोजमेरी हेयर स्प्रे बनाने के लिए आपको रोजमेरी, चावल, मेथी, लौंग और पानी की जरूरत पड़ेगी. रोजमेरी हेयर स्प्रे बनाना बेहद आसान है. इसके लिए आपको करना ये है कि 1 कप पानी लें और फिर इसमें 1 चम्मच चावल और मेथी भिगो दें. रातभर इसे भिगोकर रखें.

धीमी आंच पर पकाएं

इसके बाद सुबह इसे पीस लें और इसमें थोड़ा और पानी मिलाकर पका लें. इसमें रोजमेरी और लौंग डाल लें और धीमी आंच पर पकाएं. जब ये पूरी तरह पक जाए तो इस पानी को छान लें और थोड़ा ठंडा होने दें. फिर इस पानी को एक स्प्रे बॉटल में भर लें और इस्तेमाल करें.

रोजमेरी हेयर स्प्रे का ऐसे करें इस्तेमाल

रोजमेरी हेयर ग्रोथ स्प्रे लें, इसे रोजाना अपने स्कैल्प पर कुछ मात्रा में लगाएं, सूखने दें, इसे धोएं नहीं. आप सिर में तेल लगाने से पहले इस स्प्रे का उपयोग कर सकते हैं.

रोजमेरी हेयर स्प्रे के फायदे

रोजमेरी हेयर स्प्रे में मौजूद रोजमेरी का अर्क स्कैल्प को पुनर्जीवित करने, ब्लड सर्कुलेशन

को उत्तेजित करने और बालों के विकास को बढ़ावा देने में मदद करता है. यह बालों के रोमों को मजबूत करता है, जिससे बाल मजबूत बनते हैं और उनके टूटने की संभावना कम होती है.

प्राकृतिक रोगाणुरोधी गुण

रोजमेरी में प्राकृतिक रोगाणुरोधी गुण होते हैं जो रूसी और खुजली जैसी खोपड़ी की समस्याओं से निपटने में मदद करते हैं.

डैंड्रफ की समस्या में आएगी कमी

इससे डैंड्रफ की समस्या में कमी आती है, स्कैल्प साफ रहता है और बाल हेल्दी रहते हैं. तो इन तमाम कारणों से रोजमेरी हेयर स्प्रे का इस्तेमाल करना चाहिए.

# बच्चे का पहला दांत निकलते ही ब्रश करना कितना जरूरी? जान लें, वरना होगी ये दिक्कत

बच्चे का पहला दूध का दांत निकलते ही ब्रश करना शुरू करना जरूरी है. कई लोगों को यह पढ़कर आश्चर्य हो सकता है कि बच्चे के दांतों को भी ब्रश करने और फ्लॉसिंग की आवश्यकता हो सकती है, क्योंकि हममें से ज्यादातर लोग अपने दांतों की देखभाल करना जानते हैं, लेकिन बच्चों को लेकर लापरवाही कर जाते हैं.

जरा सी गलती बच्चे के दांत और मसूड़े खराब हो सकते हैं. दरअसल, हमारे यहां बच्चे के दूध के दांत निकलने पर जश्न मनाने की परंपरा है, लेकिन जाहिर तौर पर ज्यादातर परिवारों में इन दांतों की सफाई पर चर्चा नहीं की जाती है, जो गलत है. ऐसे में जानिए बच्चे का पहला दांत निकलते ही

कैसे उनके दांतों की सफाई करनी चाहिए...

बच्चे की दांत की सफाई कैसे करें

दांत निकलने के बाद बच्चे के मुंह में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं, जो दांतों की सडन और दांतों से जुड़ी अन्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं. ब्रश करने से इन बैक्टीरियाओं को कंट्रोल किया जा सकता है और दांतों की सेहत बनी रहती है.

बच्चे की दांत की सफाई कैसे करें

छोटे बच्चों की दांतों की सफाई करने के लिए अपनी उंगली पर लगे घाव पर एक साफ पट्टी लपेट लें और पानी से बच्चों की दांत की ऊपर–नीचे धीरे–धीरे मालिश करें. डॉक्टरों का कहना है कि बच्चों के नीचे के दांतों को बाहर से ऊपर की ओर धीरे–धीरे साफ करने की कोशिश करनी चाहिए. इसी तरह दांतों के अंदरूनी हिस्से की सफाई करनी चाहिए. बच्चों की सफाई कम से कम 3–5 मिनट तक धीरे–धीरे ब्रश करें.

ब्रश न करने से बच्चों में क्या समस्याएं हो सकती हैं

1. दांतों की सडन
2. मसूड़ों की समस्याएं
3. दांतों का पीलापन
4. मुंह से बदबू आना
5. दांतों का टूटना

बच्चों के लिए ब्रश कैसे चुनें

1. नरम ब्रिस्टल वाला ब्रश चुनें.
2. बच्चे के उम्र और दांतों के आकार के अनुसार ब्रश चुनें.
3. फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट का उपयोग करें.
4. ब्रश करने के लिए बच्चे को

प्रोत्साहित करें.

बच्चों को ब्रश करने की कैसे आदत डालें

1. बच्चे को ब्रश करने के लिए प्रोत्साहित करें.2. ब्रश करने की प्रक्रिया को मजेदार बनाएं.3. बच्चे के साथ ब्रश करें

4. नियमित रूप से दंत जांच कराएं.

# स्किन केयर के ये 4 प्रोडक्ट त्वचा को कर देते हैं बर्बाद, आज से ही बंद कर दें इस्तेमाल

डर्मेटोलॉजिस्ट स्किन केयर के इन प्रोडक्ट्स को यूज करने से मना करती हैं। लेकिन हम आपको स्किन के ऐसे 4 प्रोडक्ट्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल आप स्किन की बेहतरी के लिए करते हैं, लेकिन यह आपकी त्वचा को सिर्फ नुकसान पहुंचाते हैं। आजकल लगभग सभी लोग अपनी स्किन की इतनी ज्यादा फिक्र करते हैं कि बिना डॉक्टर की सलाह लिए ऐसी चीजों का इस्तेमाल करने लगते हैं, जो आपकी त्वचा को बर्बाद करने लगती हैं। फिर भले ही इन चीजों को अच्छा बताकर इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन डर्मेटोलॉजिस्ट स्किन केयर के इन प्रोडक्ट्स को यूज करने से मना करती हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको स्किन के ऐसे 4 प्रोडक्ट्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल आप स्किन की बेहतरी के लिए करते हैं, लेकिन यह आपकी त्वचा को सिर्फ नुकसान पहुंचाते हैं।फुट स्क्रबरकई महिलाएं डेड स्किन सेल्स और काली स्किन वाली एड़ी को साफ करने के लिए फुट स्क्रबर का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन यह आपकी एड़ियों की हालत ज्यादा खराब कर सकता है। इसलिए बेहतर है कि आप गर्म पानी में पैरों को भिगोकर सॉफ्ट तौलिए से पोछ लें। फिर पैरों में फुट क्रीम लगाएं।

# बाक्स आफिस पर जूनियर एनटीआर की देवरा का कहर

## सिर्फ 2 दिनों में वर्ल्डवाइड 243 करोड़ की बंपर कलेक्शन

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की देवरा पार्ट 1, जिसने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की, ने भारत में 100 करोड़ रुपये और दुनिया भर में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. कोराटाला शिवा की निर्देशित इस फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं. यह फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने देवरा पार्ट 1 के दूसरे दिन के कलेक्शन के बारे में अपडट साझा किया है. तरण आदर्श ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म के बिजनेस के बारे में अपडेट साझा करते हुए लिखा है, बॉक्स ऑफिस मुस्कुरा रहा है. देवरा ने शनिवार (दूसरे दिन) को बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूती के साथ गति पकड़ी. लोगों की पॉजिटिव रिस्पॉन्स के कारण बढ़त की संभावना थी, लेकिन शनिवार के आंकड़े ने साफ संकेत दे दिए हैं कि कंटेट को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है.ट्रेड एनालिस्ट ने आगे लिखा है, जबकि मास सर्किट का दबदबा जारी है, शनिवार को मेजर नेशनल चौन में भी तेजी देखी गई. वर्तमान रुझानों के आधार पर, रविवार को देवरा जबरदस्त परफॉर्म कर सकती है. यदि देवरा सोमवार और मंगलवार, दोनों वर्किंग डे पर अपनी स्पीड बनाए रखती है, तो यह हिंदी वर्जन में सफलता की ओर अग्रसर हो सकती है.

आगे लिखा है, बुधवार (2 अक्टूबर) को गांधी जयंती की छुट्टी है. इससे देवरा की संभावनाए और बढ़ गई हैं. अगर इस दिन फिल्म ने अच्छी परफॉर्म किया , तो यह पहले सप्ताह में फिल्म की कुल कमाई में अहम योगदान देगी. तरण आदर्श के मुताबिक, देवरा ने हिंदी वर्जन में पहले सप्ताह यानी शुक्रवार को 7.95 करोड़, शनिवार 9.50 करोड़ कमाई की है. दो दिनों के बाद फिल्म की कुल कमाई 17.45 करोड़ रुपये हो गई है.

सैकनिल्क के अनुसार, देवरा ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग डे पर 82.50 करोड़ रुपये (नेट) की शानदार कमाई करते हुए शानदार सफलता हासिल की. फिल्म ने सिर्फ दो दिनों में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. फिल्म ने जहां पहले दिन 82.5 करोड़ रुपये की कमाई की. वहीं, दूसरे दिन 53.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38.2 करोड़ रुपये कमाई. दो दिनों के बाद देवरा ने भारत में (तेलुगू, हिंदी, कन्नड़, तमिल और मलयालम) 120.7 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है.

देवरा मेकर्स ने फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन साझा किया है. फिल्म ने सिर्फ दो दिनों में 243 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया है.

ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयबालन के अनुसार, असाधारण शुरुआत के बाद जूनियर एनटीआर की देवरा बॉक्स ऑफिस पर अच्छी पकड़ बना रही है. फिल्म आज अच्छी खासी कमाई करने की राह पर है. 300 करोड़ क्लब की ओर बढ़ रही है।

# थलपति विजय की गोट बनी मेगा ब्लाकबस्टर,

## डायरेक्टर वेंकट प्रभु ने जताया आभार

साउथ सुपरस्टार थलपति विजय की नई एक्शन फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. फिल्म ने दुनियाभर में 450 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और भारत में भी 250 करोड़ रुपये की कमाई करने में सफल रही है. द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइमको मिल रही अपार सफलता के लिए फिल्म के डायरेक्टर वेंकट प्रभु ने सभी दर्शकों और फैंस का शुक्रियाअदा किया है.वेंकट प्रभु ने अपने ऑफिशियल एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने सभी दर्शकों का शुक्रियाअदा किया है. साथ ही, उन्होंने फिल्म के बारे में अपडेट भी साझा किया है. डायरेक्टर ने फिल्म गोट का एक शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, भगवान कृपा हैं. आप सभी का धन्यवाद जिन्होंने हमारे द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (गोट) को मेगा ब्लॉकबस्टर बनाया. डायरेक्टर ने फिल्म की 25वें दिन की जबरदस्त सक्सेस का जश्न भी मनाया, उन्होंने अपने पोस्ट में विजय, अर्चना कल्पथी, ऐश्वर्या कल्पथी और संगीतकार युवान शंकर राजा सहित अन्य को टैग किया. ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ने भारत में 1.2 करोड़ रुपये की कमाई की. गोट का कुल नेट कलेक्शन 250 करोड़ रुपये है. थलपति विजय की तमिल फिल्म का दुनिया भर में कुल कलेक्शन 2 करोड़ रुपये है. जबकि दुनिया भर में कुल ग्रॉस कलेक्शन 456 करोड़ रुपये है. ट्रेड रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोट 5वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म और 11वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली साउथ इंडियन फिल्म बन गई है. इसे 380 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था.रिपोर्ट्स के मुताबिक, थलपति विजय की तमिल फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम नेटफ्लिक्स पर अपना डिजिटल डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार है. यह फिल्म 3 अक्टूबर, 2024 से

नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी. हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

# अद्वय की डेब्यू फिल्म सुब्रमण्य का टीजर,

## भयानक घने जंगल में सांपों से घिरे दिखे एक्टर

आगामी सोशियो फैंटेसी एडवेंचर फिल्म सुब्रह्मण्य ने अपनी शानदार झलक सुब्रह्मण्य झलक–द फर्स्ट एडवेंचर का अनावरण किया है, जिसने दर्शकों को विस्मय में डाल दिया है। एसजी मूवी क्रिएशन द्वारा निर्मित और पी रविशंकर द्वारा निर्देशित, यह फिल्म मुख्य भूमिका में अद्वय की पहली फिल्म है। दुबई में झलक का शुभारंभ किया गया, जिसमें शानदार दृश्य प्रभाव और एनीमेशन दिखाए गए हैं जो एक अद्वितीय सिनेमाई अनुभव का वादा करते हैं। झलक में अद्वय को जहरीले साँपों से भरे एक कुएँ में तैरते हुए, एक प्राचीन पुस्तक को पुन प्राप्त करते हुए, और योद्धाओं की पोशाक पहने विशालकाय वानरों द्वारा पीछा किए जाते हुए दिखाया गया है। भगवान श्री राम की विशेषता वाला अंतिम शॉट विशेष रूप से प्रभावशाली है। अद्वय के अभिनय, विग्नेश राज के असाधारण कैमरा वर्क और रवि बसरूर के बेहतरीन बैकग्राउंड स्कोर ने अपार उत्साह पैदा किया है।साठ से ज्यादा वीएफएक्स कलाकारों ने चार महीने तक अथक परिश्रम किया है और फिघ्ल्म के दृश्य मुंबई, हैदराबाद, बैंगलोर और चेन्नई के मशहूर स्टूडियो में तैयार किए गए हैं। कलर ग्रेडिंग पार्टनर रेड चिलीज.कलर ने दृश्यों में जीवंत सुंदरता भर दी है। बड़े फॉर्मेट में शूट की गई सुब्रह्मण्य एक रोमांचकारी असाधारण थ्रिलर का वादा करती है, जिसे तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम और हिंदी में पूरे भारत में रिलीज किया जाएगा। सुब्रह्मण्य की तकनीकी टीम में निर्देशक के तौर पर पी रविशंकर, संगीतकार के तौर पर रवि बसरूर, सिनेमैटोग्राफर के तौर पर विग्नेश राज, एडिटर के तौर पर विजय एम कुमार और प्रोडक्शन डिजाइनर के तौर पर उल्लास हैदुर शामिल हैं। निर्माता थिरुमल रेड्डी और अनिल कडियाला, प्रस्तुतकर्ता श्रीमती प्रवीणा कडियाला और श्रीमती रामलक्ष्मी के साथ मिलकर इस भव्य प्रोजेक्ट को जीवंत करते हैं। अपनी मनमोहक काल्पनिक दुनिया और बेहतरीन दृश्यों के साथ सुब्रह्मण्य इस साल की सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली फिघ्ल्मों में से एक बनने के लिए तैयार है।

# तृप्ति डिमरी अब माधुरी दीक्षित के साथ पर्दे पर मचाएंगी धमाल, लगेगा कामेडी का तड़का

इन दिनों अभिनेत्री तृप्ति डिमरी खूब चर्चा में हैं और हों भी क्यों न, उनके पास एक से बढ़कर एक फिल्मों के प्रस्ताव जो आ रहे हैं। जल्द ही वह कई चर्चित फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी।एनिमल के बाद से तृप्ति स्टारडम के रथ पर सवार हैं और अब एक और फिल्म उनके हाथ लग गई है।खास बात यह है कि इस फिल्म में उन्हें बॉलीवुड की धक–धक गर्ल रहीं माधुरी दीक्षित का साथ मिला है।रिपोर्ट के मुताबिक, निर्देशक सुरेश त्रिवेणी इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभालने वाले हैं, जिन्होंने विद्या बालन की फिल्म तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी फिल्मों का निर्देशन किया था। अगले साल मार्च–अप्रैल में फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।फिल्म से जुड़ी ज्यादा जानकारी भले ही सामने नहीं आई है, लेकिन 90 के दशक की लोकप्रिय अदाकारा माधुरी और आज की पीढ़ी की अभिनेत्री तृप्ति की जुगलबंदी देखना बेहद दिलचस्प होगा। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म होगी।

रिपोर्ट में बताया गया है कि यह फिल्म मुख्य रूप से 3 किरदारों पर केंद्रित होगी। फिल्म के लिए हीरो का चयन करना अभी बाकी है। माधुरी फिल्म में मां तो तृप्ति उनकी बेटी की भूमिका में होंगी।फिल्म कॉमेडी, एक्शन, रोमांच और ड्रामा से लबरेज होगी। खास बात यह है कि माधुरी और तृप्ति को फिल्म भूल भुलैया 3 में भी साथ देखा जाएगा। हालांकि, इस फिल्म में माधुरी का कैमियो होगा।

तृप्ति के हाथ में फिलहाल कई फिल्में हैं। वह राजकुमार राव के साथ फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में दिखाई देंगी, जो 11 अक्टूबर को रिलीज हो रही है।वह कार्तिक आर्यन के साथ एक रोमांटिक फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म के निर्देशक अनुराग बसु हैं।वह करण जौहर की फिल्म धड़क 2 में भी नजर आएंगी। विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म भी तृप्ति के पास है, जिसमें शाहिद कपूर उनके जोड़ीदार होंगे।

माधुरी ने कई सफल फिल्में दी हैं। उनके नाम जुडने भर से फिल्में हिट हो जाती थीं। न सिर्फ अदाकारी, बल्कि अपने डांस के जरिए भी उन्होंने दर्शकों को मुरीद बनाया है।देवदास की चंद्रमुखी से लेकर तेजाब की मोहिनी, हम आपके हैं कौन की निशा चौधरी से लेकर दिल तो पागल है की पूजा तक, उनके हर किरदार को दर्शकों ने सिर आंखों पर बैठाया है।माधुरी को पिछली बार 2022 में फिल्म मजा मा में देखा गया था।

## अनुष्का सेन ने रचा इतिहास, टाइम्स स्क्वायर में लाइव परफार्म करने वाली पहली भारतीय कलाकार बनीं

अनुष्का सेन का नाम टीवी जगत की उन अभिनेत्रियों में शामिल

है, जिन्होंने बहुत छोटी उम्र में इंडस्ट्री में ऊंचा मुकाम हासिल किया है।अब अनुष्का ने महज 22 साल की उम्र में इतिहास रच दिया है। दरअसल, अनुष्का न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में लाइव परफॉर्म करने वाली पहली भारतीय कलाकार बन गई हैं।अनुष्का ने हाल ही में न्यूयॉर्क शहर के टाइम्स स्क्वायर में मंच पर लाइव परफॉर्म किया है और वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय कलाकार हैं।अनुष्का ने अपने करियर की शुरुआत साल 2009 में आया टीवी शो यहां मैं घर घर खेली के जरिए की थी।इसके बाद वह देवों के देव... महादेव, बालवीर, झांसी की रानी और अपना टाइम भी आएगा जैसे धारावाहिकों में नजर आईं।अनुष्का रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 11वें सीजन में भी दिखाई दे चुकी हैं।अनुष्का ने क्रेजी कुक्कड़ फैमिली, लिहाफरू द क्विल्ट और सम्मादिथि जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

# प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग को रोकने के लिए सरकारी नियमन ही एकमात्र समाधान है – अनन्या पाडे

'डीपफेक' एक डिजिटल पद्धति है, जिसमें एआई का इस्तेमाल कर किसी व्यक्ति की तस्वीर को दूसरे व्यक्ति की तस्वीर पर लगा दिया जाता है। एआई के इस्तेमाल से बनी ऐसी वीडियो व तस्वीर एकदम असली प्रतीत होती हैं। अभिनेत्री अनन्या पांडे ने कहा कि सरकार को प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग को रोकने के लिए कुछ नियम बनाने की जरूरत है क्योंकि यही इससे निपटने का एकमात्र तरीका नजर आता है। अनन्या की आने वाली फिल्म 'सीटीआरएल' कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित है। हाल ही में आमिर खान, रणवीर सिंह, आलिया भट्ट और रश्मिका मंदाना जैसे कलाकार 'डीपफेक' वीडियो का शिकर हुए थे जिसने एआई के दुरुपयोग को लेकर चिंता को और बढ़ा दिया है। फिल्म 'सीटीआरएल' में पांडे अपने प्रेमी (विहान समत) को उन्हें धोखा देते हुए पकड़ने के बाद एक एआई ऐप को उसकी यादों को उनके जीवन से ''मिटाने'' को कहती है। पांडे ने यहां आयोजित 'अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार' (आईफा) 2024 से इतर 'पीटीआई–भाषा' से मशहूर हस्तियों के 'डीपफेक वीडियो' पर बात की और कहा, ''....मुझे लगता है कि इसके लिए सरकार को नियम बनाने होंगे, शायद इससे निपटने का यही एकमात्र समाधान है।'''डीपफेक' एक डिजिटल पद्धति है, जिसमें एआई का इस्तेमाल कर किसी व्यक्ति की तस्वीर को दूसरे व्यक्ति की तस्वीर पर लगा दिया जाता है। एआई के इस्तेमाल से बनी ऐसी वीडियो व तस्वीर एकदम असली प्रतीत होती हैं। सैफरन और आंदोलन फिल्म्स के बैनर तले बनी 'सीटीआरएल' चार अक्टूबर से ओटीटी मंच 'नेटफिलक्स' पर प्रसारित की जाएगी। फिल्म का निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी ने किया है।

# प्रिंस शिवराम नरेश अगस्त्य स्टारर काली का ट्रेलर रिलीज

शिव साशु द्वारा निर्देशित और गौतम वर्मा द्वारा निर्मित नई मनोवैज्ञानिक थ्रिलर काली के टीजर ने फिल्म प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है। फिल्म में युवा अभिनेता प्रिंस और नरेश अगस्त्य मुख्य भूमिकाओं में हैं। 4 अक्टूबर को दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार मनोवैज्ञानिक थ्रिलर काली के साथ एक रोमांचक मुठभेड़ के लिए तैयार हो जाइए। टीम ने ट्रेलर जारी किया, जिसे हनुमान पर अपने काम के लिए जाने जाने वाले प्रशांत वर्मा ने लॉन्च किया। उन्होंने ट्रेलर की प्रशंसा करते हुए इसे मनोरंजक और रोमांचक बताया, और इसके दृश्यों में स्पष्ट जुनून झलकने की बात कही। ट्रेलर में प्रिंस शिवराम की भूमिका में हैं, जो एक ऐसा व्यक्ति है जो बहुत खोया हुआ महसूस करता है और एक कठोर निर्णय पर विचार कर रहा है। इसकी शुरुआत शिवराम की आवाज से होती है जब वह किसी को दफनाता है, उसके बाद नरेश अगस्त्य द्वारा निभाए गए एक रहस्यमयी किरदार का परिचय होता है, जो शिवराम के जीवन के बारे में आश्चर्यजनक विवरण जानता है। यह मुठभेड़ एक दिलचस्प नतीजे की ओर ले जाती है। ट्रेलर में शिवराम की रोमांटिक परेशानियों और वैवाहिक समस्याओं का भी संकेत मिलता है, जो सस्पेंस को और बढ़ा देता है। यह कई सवाल खड़े करता है, जिनका जवाब फिल्म के सिनेमाघरों में रिलीज होने पर मिलेगा। कहानी शिवराम की अचानक उदासी, रहस्यमय अजनबी और उसके जैसे दिखने वाले शव की खोज पर केंद्रित है। यह फिल्म एक आकर्षक मनोवैज्ञानिक ड्रामा होने का वादा करती है, जिसमें शानदार दृश्य और एक गहन स्कोर है, विशेष रूप से रहस्यमय व्यक्ति के अंतिम शॉट द्वारा उजागर किया गया है, जो उम्मीदों को और भी अधिक बढ़ा देता है।

# राम चरण ने आलिया भट्ट की जिगरा का तेलुगू ट्रेलर किया जारी, स्पेशल नोट के साथ टीम को दी शुभकामनाएं

आरआरआर स्टार राम चरण ने आलिया भट्ट की आगामी फिल्म जिगरा का तेलुगू ट्रेलर जारी किया है. यह फिल्म 11 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर बड़े पर्दे पर आ रही है. ट्रेलर साझा करते हुए गेम चेंजर एक्टर ने अपने आरआरआर को–स्टार के लिए एक प्यारा सा नोट भी लिखा है. राम चरण ने आलिया भट्ट स्टारर जिगरा का तेलुगू ट्रेलर जारी किया किया. इसके सुपरस्टार ने अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया है. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम फिल्म का तेलुगू वर्जन में ट्रेलर जारी किया है. साथ ही जिगरा टीम को शुभकामनाएं दी है. राम चरण ने कैप्शन में जिगरा टीम के लिए लिखा है, जिगरा का ट्रेलर बिल्कुल अद्भुत लग रहा है जो आपको इमोशनल रोलरकोस्टर पर ले जाएगा. 11 अक्टूबर को ब्लॉकबस्टर रिलीज के लिए आलिया और पूरी टीम को शुभकामनाएं.राम चरण के इस पोस्ट आलिया भट्ट का रिएक्शन आया है. आरआरआर एक्ट्रेस ने राम चरण के इस पोस्ट अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया है और कैप्शन में लिखा है, आपका सपोर्ट बहुत मायने रखता है.26 सितंबर को जिगरा का हिंदी वर्जन में ट्रेलर लॉन्च किया गया था. जिगरा के ट्रेलर में एक बहन के अपने भाई को वापस लाने के संघर्ष को दिखाया गया है, जो एक विदेशी जेल में बंद है. फिल्म में वेदांग रैना आलिया भट्ट के भाई की भूमिका में हैं. फिल्म में आलिया सत्या का किरदार निभा रही है, जबकि व वेदांग उनके भाई अंकुर की.

जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. आलिया की फिल्म का मुकाबला राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी स्टारर विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से होगा. हालांकि, जिगरा के ट्रेलर से यह साफ हो जाता है कि यह भी एक ऐसी फिल्म है जिसे देखना चाहिए और यह दर्शकों के बीच सफल हो सकती है.।

# 43 की उम्र में नहीं थम रही श्वेता तिवारी की हाटनेस, स्टनिंग फोटोशूट से बढ़ाया इंटरनेट का पारा

टीवी की हॉट एंड ब्यूटिफुल एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अक्सर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका मदमस्त अंदाज देखकर फैंस उनके लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अपनी खूबसूरती और ग्लैमर अंदाज से फैंस का दिल चुराना अच्छे से जानती हैं। ये ही नहीं एक्ट्रेस जब भी अपना लेटेस्ट लुक फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद स्टनिंग फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनकी शोख अदाएं देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। वहीं, उनके इस लुक को देखकर फैंस खुद को लाइक्स और कॉमेंट्स करने से नहीं रोक पा रहे हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने ऑरेंज कलर का स्टाइलिश आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए इंटरनेट का पारा गर्म कर रही हैं।बालों को वेवी स्टाइल लुक में कर्ल कर के, कानों में इयररिंग्स, लाइट मेकअप और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी चेहरे पर प्यारी सी स्माइल देते हुए फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं। उनका ये कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस 43 साल की हो गई हैं। उनके देखकर अब भी कोई यह

अंदाजा नहीं लगा पाएगा की वह दो बच्चों की मां हैं। श्वेता तिवारी ने खुद को काफी फिट कर के रखा हुआ है। इसलिए बढ़ती हुई उम्र में भी वो और ज्यादा खूबसूरत लगती है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 01 अक्टूबर 2024
sheelshukla100@gmail.com


# विकास खंड खेसरहा में कम्पोजिट विद्यालय का जिलाधिकारी द्वारा किया गया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर –

जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर द्वारा पी0एम0श्री कम्पोजिट विद्यालय, भलुहा विकास क्षेत्र खेसरहाध का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान विद्यालय में 250 बच्चों का नामांकन है जिसमे 160 बच्चे उपस्थित थे जिलाधिकारी द्वारा पीटीएम रजिस्टर, निपुण तालिका, शिक्षक डायरी, साप्ताहिक आकलन ट्रैकर, मिड्डे मील रजिस्टर आदि को देखा गया निरीक्षण के दौरान निपुण तालिका, शिक्षक डायरी, साप्ताहिक आकलन ट्रैकर, मिड्डे मील रजिस्टर व अन्य रजिस्टर अपडेट नहीं पाया गया जिसपर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये सभी रजिस्टर को समय से अपडेट करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान निपुण तालिका व अन्य रजिस्टर पूर्ण न होने पर शिक्षक शत्रुहन कुमार गुप्ता एवं अवधेश मिश्रा का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया विद्यालय में कम्पोजिट ग्राण्ट, टीएलएम आदि की पेंटिंग नहीं पाया गया, आर0ओ0 भी नहीं लगा था मिड्डे मील मीनू के अनुसार बना था विद्यालय में बच्चे जूता मोजा नहीं पहने थे, जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया कि विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति शतप्रतिशत व बच्चे ड्रेस, जूता मोजा आदि अनिवार्य रूप में पहन कर आयें। विद्यालय में साफ–सफाई ठीक नहीं था तथा शौचालय भी गंदा था जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक को साफ–सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया जिलाधिकारी द्वारा अभिभावको की नियमित बैठक कराने तथा बच्चों के अभिभावको को प्रेरित करें की जूता–मोजा आदि खरीद

लें सभी शिक्षकगण उपस्थित थे जिलाधिकारी ने विद्यालय में ठीक ढंग से कार्य सम्पादित न होने, गंदगी पाये जाने के कारण खण्ड शिक्षा अधिकारी खेसरहा को प्रतिकूल प्रविष्टि देने का निर्देश दिया जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय के किचन को देखा गया, खाद्यान्न ठीक ढंग से नहीं रखा गया था, गेंहू की गुणवत्ता बहुत खराब मिला प्रधानाध्यापक द्वारा अवगत कराया गया कि एफसीआई(कोटेदार) द्वारा खराब गुणवत्ता का गेंहू दिया गया है प्रधानाध्यापक द्वारा नया गेंहू लाया गया है जिलाधिकारी द्वारा प्रधानाध्यापक का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय में बन रहे अतिरिक्त कक्षा कक्ष को देखा गया भवन का छत ऊंचा–नीचा व गुणवत्तायुक्त न होने पर अधि0अभि0 लो0नि0वि0 को टेक्निकल जांच कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

# दीक्षान्त समारोह कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर किया गया निरीक्षण

C;jk fl)kFkuxj&fl)kFk विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में दिनांक 01 अक्टूबर 2024 को आयोजित आठवें दीक्षांत समारोह के कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर एवं पुलिस अधीक्षक सुश्री प्राची सिंह द्वारा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया कार्यक्रम की तैयारियों का जानकारी लिया गया जिलाधिकारी द्वारा गेस्ट हाउस, मंच, हेलीपैड, कार्यक्रम स्थल आदि को देखा गया जिलाधिकारी ने मंचध्टेण्ट की व्यवस्था के लिए अधि0 अभि0 लोक निर्माण विभाग एवं सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत विद्युत विभाग को एनओसी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के साथ सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के रजिस्ट्रार डा0 अमरेन्द्र कुमार सिंह, प्रॉक्टर प्रो0 दीपक बाबू, मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार, अपर जिलाधिकारी(वि0ध्रा0)

उमाशंकर, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ, उपजिलाधिकारी नौगढ़ डॉ0 ललित कुमार मिश्रा आदि उपस्थित थे।

# थानाध्यक्ष को तहरीर देकर स्वर्ण व्यवसायी ने चोरी का पर्दाफाश करने की किया मांग

ब्यूरो देवरिया

देवरिया शनिवार को थानाध्यक्ष रामपुर कारखाना जनपद देवरिया को एक सवर्ण व्यवसायी ने तहरीर देकर निवेदन किया है कि मैं प्रार्थी प्रिंस वर्मा पुत्र शिव कुमार वर्मा पता राम गुलाम टोला देवरिया थाना कोतवाली सदर देवरिया का स्थाई निवासी हूं मेरी स्वर्ण आभूषण की दुकान गौरा चौराहा थाना रामपुर कारखाना स्थित है दिनांक 27 9.2024 को मौसम खराब होने के कारण मैं अपने दुकान को शाम में करीब 5रू00 बजे बंद कर अपने घर को चला गया पता नहीं कब अज्ञात चोरों ने मेरी दुकान का दक्षिण तरफ की दीवार करीब ढाई फुट तोड़कर मेरी दुकान में घुसकर मेरी वरगिना तिजोरी को तोड़कर 1200 ग्राम चांदी का पायल सोने की अंगूठी 25 ग्राम व ढाई सौ ग्राम चांदी का छल्ला व करीब 5200 नगद चुरा कर लेकर भाग गए दिनांक 28 9 2024 को दोपहर करीब 12रू00 में मौसम साफ होने पर दुकान पर आया और दुकान का ताला खोल कर अंदर गया तो उसे घटना की मुझे जानकारी हुई व्ततथा डायल 112 पर सूचना दिया मौके पर पहुंची पुलिस तो थाने पर आने को निर्देश करके आईव्य श्रीमान जी से निवेदन है कि इसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की कृपा करें प्रिंस वर्मा पुत्र शिव कुमार वर्मा राम गुलाम टोला देवरिया ।

# सड़क हादसों में तीन लोग घायल

चित्रकूट। सड़क दुर्घटनाओं मे तीन लोग घायल हो गए। जिन्हे उपचार के लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया है।पहली दुर्घटना सोमवार की दोपहर एलआईसी तिराहे के पास हुई। शहर के चमड़ा मंडी निवासी विजय (17) व रवि (12) पुत्रगण मुन्ना धनुष चौराहा से घर की तरफ बाइक से जा रहे थे। तभी सड़क मे अन्ना जनावर बाइक के सामने आ गया। जिससे बाइक समेत दोनो गिरकर घायल हो गए। मौके पर पहुंचे यातायात प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने दोनो घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया। इसी क्रम मे दूसरी दुर्घटना सोनेपुर पेट्रोल पम्प के पास की है। बताया गया कि ह्रदेश (31) पुत्र रामाआसरे देवांगाना घाटी पर बन रहे सर्किट हॉउस के निर्माण कार्य करने मे राजमिस्त्री है। बीती शाम टैम्पो से मुख्यालय कर्वी आ रहा था। जैसे ही टैम्पो पेट्रोल पम्प के पास पहुंची तो पीछे आ रही एक अधिकारी की गाड़ी ने ठोकर मार दी। जिससे टैम्पो मे बैठा ह्रदेश गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया। जहां उपचार चल रहा है।

# बुखार से महिला की मौत

चित्रकूट। बुखार से पीड़ित महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। पहाड़ी थाना क्षेत्र के चौरा गांव की सहोद्रा (28) पत्नी बहोरीलाल को बीते दिनों से बुखार आ रहा था। जिसके चलते परिजन उसे रविवार की देर शाम उपचार के लिए जिला अस्पताल लाए। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना से परिजनों मे कोहराम मच गया। मृतका के दो पुत्रिया, एक पुत्र है।

# महिला को सर्प ने काटा, भर्ती

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र के पतिनिया गांव की सहोदरा देवी पत्नी रामनरेस को बीती शाम सर्प ने काट लिया। परिजनों ने उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया है।

# तीन लोगों के विरुद्ध मिनी गुंडा एक्ट की हुई कार्यवाही

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में अपराध पर अंकुश लगाने को अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी उपेन्द्र प्रताप सिंह ने गुंडागर्दी करने वाले धनराज व मिथुन पुत्रगण लालू निवासी राघवपुरी सीतापुर, राजकरन उर्फ झल्लर पटेल पुत्र जुगुल किशोर निवासी मनोहरगंज सीतापुर के विरुद्ध धारा 129 बीएनएस की कार्यवाही की है।

# समाजसेवी शानू गुप्ता पर्यावरण संरक्षण के लिए सम्मानित

चित्रकूट। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय संगत भवन में आयोजित कार्यक्रम में सनातन शोध संस्थान ने पर्यावरण संरक्षण संगोष्ठी की। जिसमें जिले के सनातन शोध संस्थान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समाजसेवी शानू गुप्ता को पर्यावरण संरक्षण सम्मान से सम्मानित किया गया। आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक संस्थान के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ अविनाश जायसवाल, भाजपा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा, राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के राष्ट्रीय सह संयोजक डॉ राकेश जैन ने यह सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ गोविंद त्रिपाठी, राष्ट्रीय महामंत्री डॉ मनोज द्विवेदी, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री राजवीर सिंह, पद्मश्री से सम्मानित जितेन्द्र सिंह, जल वैज्ञानिक ई. श्याम सुन्दर राठी आदि मौजूद रहे।

# सेवानिवृत निरीक्षक व उपनिरीक्षक को दी गई विदाई

चित्रकूट। पुलिस कार्यालय स्थित राघव प्रेक्षागार में एसपी अरूण कुमार सिंह की अध्यक्षता में पुलिस विभाग में अपनी सेवा पूर्ण करने वाले निरीक्षक व उपनिरीक्षक रेडियो शाखा की विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान एसपी ने सेवानिवृत्त निरीक्षक मोहम्मद हाशिम व उप निरीक्षक रेडियो शाखा कमलेश कुमार को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर भावभीनी विदाई दी। कहा कि घर जाकर अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निरन्तर व्यायाम करते रहें। इस मौके पर सीओ कार्यालय यामीन अहमद, सीओ प्रशिक्षु फहद अली, प्रतिसार निरीक्षक शिवनारायण, निरीक्षक रेडियो रविन्द्र कुमार पटेल, प्रभारी सोशल मीडिया सेल निशिकान्त राय, वाचक राजीव कुमार सिंह, पीआरओ प्रवीण कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

# भूमि अधिग्रहण व निर्माण में लाएं प्रगति डीएम

चित्रकूट। डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में लिंक एक्सप्रेस–वे भूमि अधिग्रहण एवं देवांगन फोर लेंन रोड़ से संबंधित बैठक जिला कलेक्ट्रेट के सभागार में संपन्न हुई।

बैठक में डीएम ने लिंक एक्सप्रेस–वे में पड रहे ग्राम पंचायत की जमीनों के बैनामें के प्रगति की जानकारी की। कहा कि जिन ग्राम पंचायत के बैनामें हो रहे हैं उनकी लिस्ट भी व्हाट्स एप ग्रुप में डालें। उन्होंने लेखपाल व तहसीलदार को निर्देशित किया कि जो कार्य दिया गया है उसमें परिणाम निकलना चाहिए। समय बर्बाद न करें। जिन किसानों की जमीन अधिग्रहित की गई है उनकी सूची भी दें। देवांगना एयरपोर्ट से कर्वी तक फोर लेन मार्ग के संबंध में अधिशासी अभियंता पीएम जीएसवाई प्रांतीय खंड ने बताया कि भूमि अधिग्रहण में जो अनुबंध पत्र प्राप्त होते जा रहे हैं वैसे ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा। डीएम ने कहा कि बरसात लगभग समाप्त होने को है। इसके बाद कार्य में प्रगति कराए। राम वनगमन, लिंक एक्सप्रेस–वे व डिफेंस कॉरिडोर के संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि जो वन विभाग की जमीन सड़क निर्माण में आ रही है उनकी शासकीय भूमि देने के लिए जिन ग्राम पंचायत में चिन्हित की गई है उसकी बैठक कराकर कार्यवृत्त उपलब्ध कराए। डीएम भूमि अधिग्रहण में अच्छा कार्य करने वाले लेखपाल चंद्रभान सिंह बनाडी को सम्मानित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एडीएम उमेशचंद्र निगम, सदर एसडीएम पूजा साहू, राजापुर एसडीएम प्रमोद झा, एक्सईएन पीएम जीएसवाई प्रांतीय खंड संतोष कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह, तहसीलदार वॉचस्पति सिंह सहित लेखपाल मौजूद रहे।

# पति को करंट से बचाने में पत्नी की मौत

मऊ (चित्रकूट)। थाना अंतर्गत एक गांव में रविवार की रात करीब नौ बजे घर के दरवाजे में करंट आने से चपेट में आई महिला की मृत्यु हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊ क्षेत्र के कोटरा खांभा निवासी सुमन (35) पत्नी जोगराज घरेलू कार्य कर रही थी। तभी दरवाजे के पास खड़ा पति करंट की चपेट में आ गया। जिसे देख पत्नी सुमन बचाने के लिए धक्का दिया। जिससे पति तो बच गया, लेकिन पत्नी करंट की चपेट में आ गई। परिजनों ने किसी तरह करंट से ममुक्त कराकर दोनो को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मऊ में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने सुमन को मृत घोषित कर दिया। जोगराज को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। बताया गया कि दरवाजे के बगल से गुजरी विद्युत केबल तार कटी थी। जिसके कारण करंट दरवाजे में उतर आया। मृतका के एक पुत्र, एक पुत्री है। मऊ थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम कराया है।

# सौहार्द व सद्भाव से मनाएं त्योहार एसडीएम

मऊ (चित्रकूट)। शारदीय नवरात्र को लेकर एसडीएम सौरभ यादव की अध्यक्षता में सोमवार को तहसील परिसर में पीस कमेटी की बैठक हुई। एसडीएम ने आयोजकों से कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से सौहार्दपूर्वक त्योहार मनाएं। ऐसा कोई कार्य नहीं करें जिससे कानून व्यवस्था प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि पूर्व में निर्धारित स्थान पर पंडालों में मूर्तियों की स्थापना की जाए। स्थान परिवर्तन किए जाने का कारण एवं जानकारी पहले से दें। जिसका निरीक्षण कर उचित निर्णय लिया जाएगा। साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। बगैर अनुमति के कोई नई परंपरा न डालें। पंडालों में सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगाएं। अग्निशमन यंत्र, पानी, बालू आदि अनिवार्य रूप से होना चाहिए। मूर्तियों का विसर्जन अमृत सरोवर तालाबों में नहीं किया जाएगा। सीओ मऊ जयकरण सिंह ने कहा कि आयोजक इसका विशेष ध्यान रखें कि नशे की हालत में लोगों को पंडाल में प्रवेश वर्जित रखें। यदि कोई परेशानी हो तो बेहिचक अवगत कराएं। शीघ्र ही समस्या का समाधान कराया जाएगा।

# इजराइल में रोजगार के लिए करें आवेदन

चित्रकूट। जिला सेवायोजन अधिकारी संदीप ने जानकारी देते हुए बताया कि इजराइल देश में निर्माण श्रमिकों को रोजगार प्रदान करने की प्रक्रिया में भारत सरकार एवं इजराइल सरकार के मध्य हुए अनुबंध के अन्तर्गत एनएसडीसी क्रियान्वयन संस्था नामित है। एनएसडीसी द्वारा पीआईबीए के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कैटगरी के निर्माण श्रमिकों को इजराइल भेजे जाने की कार्यवाही की जानी है। जिसमें फ्रेमवर्क, शटरिंग, कारपेंटर, आयरन वेन्डिग, सिरेमिक टाइल, प्लास्टरिंग आदि हैं। इसके लिए अर्हता प्राप्त इच्छुक निर्माण श्रमिकों को सेवायोजन विभाग के एकीकृत पोर्टल में जाकर इजराइल के लिए पंजीकरण करना होगा। प्री–स्क्रीनिंग की कार्यवाही इजराइल में श्रमिकों को भेजने के लिए चयन की प्रथम चरण की प्रक्रिया है।

# –स्कूली वाहनों के भौतिक–तकनीकि की करें सघन जांच डीएम

चित्रकूट। डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में जिला विद्यालय वाहन परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।उन्होंने पुलिस तथा परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शैक्षिक संस्थानों के बच्चों की सुरक्षा के लिए विद्यालय वाहनों के विनियमन, नियन्त्रण के दृष्टिगत् संघन प्रवर्तन की कार्यवाही करें। स्कूली वाहनो की भौतिक, तकनीकी दशा की जांच उच्चतम न्यायालय के निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए। वाहन में सभी वैध कागजात होना चाहिए। पारदर्शी फर्स्ट एड बाक्स, वीआईएस मार्क दो किलो क्षमता वाले अग्निशमन यन्त्र, सीएनजी चालित वाहनों में सिलिन्डर के ऊपर सीट का कोई उपबन्ध नहीं होना चाहिये। सभी वाहन गतिसीमा यन्त्र से युक्त हो। सीसीटीवी कैमरे लगे होना चाहिए। 18 वर्ष की आयु से कम छात्र–छात्रायें को दो एवं चार पहिया वाहन विद्यालय लाने में प्रतिबन्धित किया जाए। डीआईओएस एवं बीएसए को निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों में सड़क यातायात जागरूकता एवं यातायात व्यवस्था के लिए एक नोडल टीचर नामित करें। वाहन में एक अध्यापक रहे। उन्होंने अधिशासी अधिकारियों से कहा कि विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति, संबंधित पुलिस अधिकारी एवं नगर पालिका प्राधिकारी से विचार विर्मश कर विद्यालय वाहनों के लिए पार्किंग एवं विश्राम स्थलों को चिन्हित करें। वाहन चालकों का चरित्र सत्यापन पुलिस विभाग से कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।डीएम ने शैक्षिक संस्थानों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य को निर्देश दिए कि विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति का गठन कर अध्यक्ष प्रत्येक वर्ष जुलाई, अक्टूबर, जनवरी एवं अप्रैल में बैठक अवश्य करें। वाहन चालक व क्लीनर प्रॉपर वर्दी पर अवश्य रहे। वाहन में हेल्प लाइन ननंबर लिखे रहने चाहिए। बैठक में एडीएम उमेशचन्द्र निगम, सदर एसडीएम पूजा साहू, सीओ यातायात यामीन अहमद, यात्री कर अधिकारी दीप्ति त्रिपाठी, एक्सईएन लोनिवि प्रांतीय खंड संतोष कुमार, डीपीआरओ इन्द्र नारायण सिंह, डीआईओएस संतोष कुमार मिश्रा, बीएसए बीके शर्मा, यातायात प्रभारी शैलेंद्र सिंह, रेड क्रॉस सोसायटी सचिव केशव शिवहरे सहित संबंधित अधिकारी, विद्यालयों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य मौजूद रहे।

# पीआरडी जवान पर दुराचार का लगाया आरोप

चित्रकूट। सोमवार को झांसी जिले के एक गांव की निवासी युवती अपने परिजनों के साथ एसपी कार्यालय पहुंची। उसने बताया कि विकास भवन में कार्यरत एक दरोगा ने खुद को कुंवारा बताकर इंस्टाग्राम में उससे दोस्ती की। दो माह तक कभी झांसी में कभी चित्रकूट में रहकर उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में पता चला कि वह दरोगा नहीं पीआरडी जवान है और शादीशुदा भी है। युवती ने बताया कि दो दिन पहले जब उससे शादी करने की जिद की तो उसने इंकार कर दिया। इसे लेकर वह बेहद परेशान है। एसपी से न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। इस संबध में एसपी अरूण कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। पीआरडी विभाग के अधिकारियों को जवान की करतूत की जानकारी दी गई है। इंस्पेक्टर को जांच दी गई है। जिसमें मोाबइल से लेकर अन्य सभी तथ्य एकत्र किये जाएंगे। दोषी मिलने पर पीआरडी जवान के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

# कैबिनेट मंत्री ने मत्स्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की, की समीक्षा

सोनभद्र। कैबिनेट मंत्री डॉ0 संजय कुमार निषाद ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा, समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गौंड़, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा की उपस्थिति में की, जनपद में मत्स्य पालन हेतु किये गये पट्टा आवंटन की बिन्दुवार समीक्षा की, समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी से कहा कि जनपद में मत्स्य पालन हेतु किये गये पट्टों की टीम गठित कर जॉच करा ली जाये, यदि किसी अपात्र व्यक्ति को पट्टे का चयन हो गया है तो पट्टा निरस्त करके पात्र व्यक्तियों को मत्स्य पालन हेतु पट्टे का आवंटन किया जाये, उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन हेतु होने वाले पट्टों की ग्राम सभाओं में पंचायत भवन पर सूचना अंकित की जाये, जिससे कि ग्राम सभा में प्रत्येक व्यक्तियों को मत्स्य पालन हेतु सूचना प्राप्त हो सके और पात्र व्यक्ति लाभान्वित हो सके, उन्होंने कहा कि तालाबों में अवैध तरीके से किये गये कब्जो को हटाने की कार्यवाही की जाये, प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत किसानों की आय में वृद्धि तथा स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है, जिसके अन्तर्गत वित्तीय सहायता के रूप में महिला एवं अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति को 60 प्रतिशत तथा अन्य वर्गों को 40 प्रतिशत अनुदान अनुमन्य किया गया है,

उन्होने कहा कि मत्स्य गतिविधियों में सक्रिय व्यक्तियों को सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना से आच्छादित किया गया है, मत्स्य गतिविधियों में सक्रिय किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसे 5 लाख रूपये तक की आर्थिक सहायता राशि अनुमन्य है, मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत ग्रामसभा व अन्य पट्टे के तालाबों में निवेश एवं मत्स्य बीज बैंक की स्थापना हेतु राज्य सरकार द्वारा दो परियोजना संचालित हैं, योजना में सभी वर्गों को 40 प्रतिशत अनुदान अनुमन्य है, इसी प्रकार से निषाद राज बोर्ड सब्सिडी योजना, मत्स्य पालक कल्याण कोष, किसान क्रेडिट कार्ड, मत्स्य पालकध्मछुआरों हेतु संचालित है, मत्स्य गतिविधियों हेतु बैंक के माध्यम से 4 प्रतिशत ब्याज दर पर 1.60 लाख तक जमानत रहित क्रेडिट ऋण की सुविधा उपलब्ध है, उन्होंने कहा कि मछुआ समुदाय के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए केन्द्र एवं प्रदेश सरकार अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है और मछुआ समुदाय का विकास हो रहा है।

# चेयरमैन दिग्विजय सिंह फिर हुए हांकी टीम के चयनकर्ता

सोनभद्र। दुनिया के अति पुराने खेलों में से एक हाकी के खिलाड़ी रह चुके नगर पंचायत पिपरी के चेयरमैन दिग्विजय सिंह को प्रादेशिक विद्यालयी हाकी अन्डर–14 बालक व बालिका, प्रतियोगिता के लिए चयनकर्ता, निर्णायक एवं अभिलेख समिति का सदस्य चुना गया है। यह प्रतियोगिता 7 अक्टुबर से 11 अक्टूबर 2024 तक गोरखपुर मण्डल में होगी। दिग्विजय सिंह एसजीएफआई स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, द्वारा उत्तर प्रदेश हॉकी टीम के चयनकर्ता व कोच लगातार पिछले 15 वर्षो से रहे हैं, एक बार फिर वें 2024 में चयनकर्ता की भूमिका में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे। श्री सिंह द्वारा चयनित खिलाड़ी ओलम्पिक खेलों तक में प्रतिभाग कर चुके है। इस दौरान उन्हें उत्तर प्रदेश के हजारों खिलाड़ी बच्चो में से 18 बालक व 18 बालिका को चुनना होगा जो प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।